संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-128 ■ रायपुर, सोमवार 05 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग



वारः सोमवार
तिथिः आश्विन कृष्ण दशमी
पक्षः आश्विन पक्ष
मासः आश्विन (कृष्ण पक्ष)
ऋतुः वर्षा ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्र, योग और करण
नक्षत्रः पुष्य
योगः शिव
करणः वणिज
चन्द्र राशिः कर्क राशि में
सूर्य राशिः कन्या राशि में
पंचकः आज पंचक नहीं है।
अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:03 से 12:51 तक।
विजय मुहूर्तः दोपहर 02:26 से 03:13 तक।
ब्रह्म मुहूर्तः प्रातः 04:53 से 05:42 तक।
राहुकालः सुबह 07:59 से 09:28 तक

पुलिस गाड़ी से टकराकर कार में लगी आग 1 की मौत, 3 घायल

मथुरा। उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेसवे पर एक बार फिर तेज रफ्तार का खौफनाक मंजर देखने को मिला है। नोएडा से आगरा की तरफ जा रही एक अनियंत्रित होंडा सिटी कार ने मांट टोल प्लाजा की पेट्रोलिंग गाड़ी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी भयानक थी कि कार में तुरंत आग लग गई और देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। इस दर्दनाक हादसे में चार लोग गंभीर रूप से झुलस और चोटिल हो गए, जिनमें से एक युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह दुर्घटना मथुरा जिले के पास यमुना एक्सप्रेसवे पर मांट टोल क्षेत्र के नजदीक घटी।

खड़े ट्रेलर में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

महासमुंद। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर ज्ञानी ढाबा के पास खड़े एक ट्रेलर में भीषण आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें देखकर आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि, घटना के समय ट्रेलर चालक ढाबे पर खाना खाने गया था, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेलर क्रमांक NL01AB 0769 लोहे का सामान लेकर नागपुर से कोलकाता जा रहा था। चालक ने राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर ज्ञानी ढाबा के पास वाहन खड़ा किया और खाना खाने के लिए ढाबे में चला गया। इसी दौरान अचानक ट्रेलर के केबिन में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने ट्रेलर के केबिन को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि केबिन पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

तालाब में डूबने से दो की मौत

दुर्ग। तालाब में डूबने की आज दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई. पहले मामले में युवती की मौत की वजह स्पष्ट नहीं है, वहीं दूसरी घटना में तालाब से एसडीआरएफ की टीम ने युवक की लाश निकाली है. पहला मामला धमधा थाना क्षेत्र के डंगनिया गांव का है, जहां तालाब में 25 वर्षीय तनु की तैरती हुई लाश मिली. ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 और धमधा पुलिस मौके पर पहुंची। शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है.

सिंगापुर प्रवास का पहला दिन : सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के लीडरशिप डिनर में हुए शामिल

मुख्यमंत्री साय की गार्डन्स बाय द बे के साथ हुई महत्वपूर्ण चर्चा

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधिमंडल भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा नामांकन के उपरांत सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन (SBF) द्वारा आयोजित प्रथम 'सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ (SING) फोरम 2026' में सहभागिता के लिए सिंगापुर प्रवास पर है।

सिंगापुर प्रवास के पहले दिन मुख्यमंत्री श्री साय एवं छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने विश्व प्रसिद्ध 'गार्डन्स बाय द बे' के जनरल मैनेजर, मास्टर प्लानिंग श्री जेसन येओ तथा डायरेक्टर श्री लिम चियाप सॉन्ग सहित संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औपचारिक बैठक की।

बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल को गार्डन्स बाय द बे की मास्टर प्लानिंग, सतत डिजाइन और उद्यान प्रबंधन से जुड़ी उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों की जानकारी दी गई। दोनों पक्षों के बीच उद्यानिकी, वनस्पति संरक्षण, शहरी हरियाली, ईको-टूरिज्म और क्षमता विकास के क्षेत्रों में संस्थागत सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ समृद्ध वनों और जैव विविधता से परिपूर्ण प्रदेश है। गार्डन्स बाय द बे की विशेषज्ञता और अनुभवों का लाभ नवा रायपुर में बॉटनिकल गार्डन के विकास के साथ ही प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर लैंडस्केपिंग और हरित क्षेत्रों के विस्तार में लिया जा सकता है। इससे छत्तीसगढ़ में पर्यटन की संभावनाओं को नया विस्तार मिलेगा, पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और सैकड़ों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय शाम को SING फोरम की पूर्व संध्या पर सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित लीडरशिप डिनर में शामिल हुए। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले, सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के चेयरमैन श्री मार्क ली और सीईओ श्री कोक पिंग सून उपस्थित थे। लीडरशिप डिनर में सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के सदस्यों के साथ मास्टरकार्ड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, नेस्ले और द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के वरिष्ठ प्रतिनिधि तथा छत्तीसगढ़ के 7 सदस्यीय और हरियाणा के 26 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भी सहभागिता की। यह आयोजन भारतीय राज्यों और सिंगापुर के व्यावसायिक समुदाय के बीच निवेश, व्यापार और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी को लेकर संवाद का महत्वपूर्ण मंच बना। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ को तेजी से उभरते निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रदेश की प्रगतिशील औद्योगिक नीति, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए किए गए सुधारों तथा एमएसएमई, स्टार्टअप और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में उपलब्ध व्यापक अवसरों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर के उद्योग जगत को 'विकसित छत्तीसगढ़' के निर्माण की यात्रा में सहभागी बनने और प्रदेश में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

घर में घुसे तेंदुए ने 6 लोगों पर किया हमला, 3 की हालत गंभीर, परिवार ने हिम्मत दिखाकर किया कमरे में बंद

महासमुंद (एजेंसी)। महासमुंद जिले के बागबाहरा वनपरिक्षेत्र के ग्राम झिटकी में देर रात करीब डेढ़ बजे उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक तेंदुआ यादव परिवार के घर में घुस गया। तेंदुए ने परिवार के 6 सदस्यों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घायलों में 4 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं, इनमें से 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य रात में घर के अंदर सो रहे थे। इसी दौरान उत्तरी बाई करीब डेढ़ बजे



बाथरूम जाने के लिए घर से बाहर निकलीं। इसी दौरान उनका सामना तेंदुए से हो गया। तेंदुए ने उत्तरी बाई पर हमला कर दिया। इसके बाद तेंदुआ घर के अंदर घुस गया और वहां मौजूद परिवार के अन्य सदस्यों पर भी हमला कर दिया।

हमले में सरजू यादव (60 वर्ष), जनक यादव, मनीष यादव, तुषार यादव, उत्तरी बाई और सुनीता यादव घायल हुए हैं। घायलों में उत्तरी बाई के चेहरे और गले पर चोट आई है। सुनीता यादव के आंख और चेहरे पर चोट बताई जा रही है, जबकि मनीष यादव के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं।

तेंदुए के हमले के बाद परिवार के सदस्यों ने हिम्मत दिखाई। जनक यादव और उत्तरी बाई समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने किसी तरह तेंदुए को एक कमरे में बंद कर दिया। बताया जा रहा है कि घर में उस समय करीब 10 सदस्य मौजूद थे। घायलों को 112 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागबाहरा लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को महासमुंद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

सिलेंडर में गैस नहीं, छिपा रखी थी शराब, बिहार में तस्करी का तरीका देख पुलिस रह गई हैरान

पटना (एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी के बावजूद शराब पहुंचाने के लिए लगातार नए-नए तरीके अपना रहे हैं। गोपालगंज में शराब तस्करी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां तस्कर ने गैस सिलेंडर के अंदर ही शराब छिपाने के लिए गुप्त तहखाना बना रखा था। उत्पाद पुलिस ने जांच के दौरान इसका खुलासा किया। मामला कुचायकोट थाना क्षेत्र के कर्म टोला फुलवरिया के पास का है। उत्पाद पुलिस की टीम इलाके में शराब के खिलाफ जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान उत्तर प्रदेश की तरफ से एक बाइक आती दिखाई दी। बाइक पर एक सिलेंडर लदा हुआ था, जिसे चादर से ढककर रखा गया था। शक होने पर पुलिस ने बाइक को रोक लिया और सिलेंडर की जांच शुरू की। चादर हटाने के बाद जब सिलेंडर की जांच हुई तो पुलिस भी हैरान रह गई।

दो ट्रकों में लगी भीषण आग

पिथौरा (एजेंसी)। महासमुंद जिले के पिथौरा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर लाखागढ़ के पास शनिवार रात दो ट्रकों में भीषण आग लग गई. आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो गए.

एक ट्रक के चालक ने समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई. घटना पिथौरा थाना क्षेत्र की है. पुलिस के मुताबिक, चावल से लदा ट्रक खराब होने के कारण लाखागढ़ के पास सड़क किनारे खड़ा था. इसी दौरान पिथौरा से सरायपाली की ओर जा रहा दूसरा ट्रक वहां पहुंचा. जिसमें दोना-पत्तल और राशन सामग्री भरा हुआ था. बताया जा रहा है कि खराब ट्रक के पास पहुंचते ही चलते ट्रक के इंजन में अचानक आग लग गई.

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पास में खड़े चावल से लदे ट्रक को भी अपनी चपेट में ले लिया. आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दोनों ट्रक कुछ ही देर में जलकर खाक हो गए. घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया.

एशियन गेम्स-2026

21 गोल्ड मेडल के साथ भारत चौथे स्थान पर

नई दिल्ली ■ एजेंसी





एशियन गेम्स 2026 के आखिरी दिन भारत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए 5 गोल्ड मेडल जीतकर बड़ा धमाका किया है। इस बेहतरीन खेल के दम पर भारत मेडल टैली में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। भारत के खाते में कुल 85 पदक दर्ज हो चुके हैं, जिनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। यह ऐतिहासिक प्रदर्शन दिखाता है कि भारतीय एथलीटों ने लगभग हर खेल में अपना परचम लहराया है। एशियन गेम्स के आखिरी दिन भारत को पहला गोल्ड मेडल तीरंदाजी में मिला, जहां कुमकुम मोहोद ने महिलाओं की रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। इसके बाद गोल्फ में प्रणवी उर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिलाया। इतना ही नहीं, उन्होंने महिला टीम के साथ मिलकर सिल्वर मेडल भी देश की झोली में डाला।

मेंस क्रिकेट टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया

इसके बाद क्रिकेट और कुश्ती के मैदान से भी खुशखबरी आई। मेंस क्रिकेट के फाइनल में भारत ने अपने प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रनों से हराकर एक रोमांचक मुकाबला जीता और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं कुश्ती में युवा पहलवान अमन सहरावत ने पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में शानदार वापसी करते हुए देश के लिए एक और गोल्ड मेडल हासिल किया।

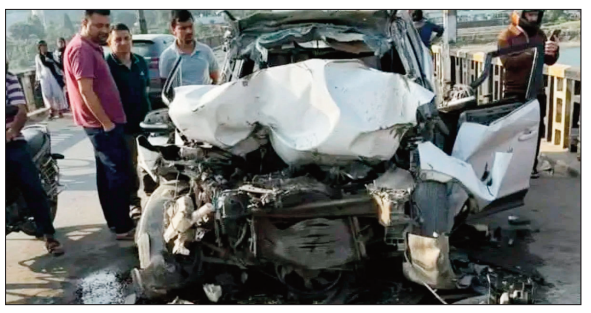
हॉकी के फाइनल में भारत ने मलेशिया को हराया

दिन का सबसे बड़ा और आखिरी धमाका भारतीय मेंस हॉकी टीम ने किया। फाइनल मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 5-1 के बड़े अंतर से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इस जीत के साथ ही भारतीय हॉकी टीम ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए भी सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसके अलावा रेसलिंग में अंतिम पंघाल ने सिल्वर मेडल और दीपक पूनिया ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत के पदक तालिका को और मजबूत बनाया।

भारत ने उज्बेकिस्तान को छोड़ा पीछे

इन 5 गोल्ड मेडल की बदौलत भारत ने उज्बेकिस्तान को पीछे छोड़ते हुए मेडल टैली में चौथा स्थान हासिल किया। इस तरह भारत का एशियन गेम्स 2026 में सफर बेहद सफल रहा और खिलाड़ियों ने अपने लाजवाब प्रदर्शन से पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

डंपर से टकराने के बाद कार के उड़े परखच्चे, 3 की मौत



सिरमौर ■ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में शनिवार देर रात एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गोविंदघाट बैरियर के पास यमुना पुल पर एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे डंपर (ट्रक) से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा देर रात करीब 11 बजे हुआ। कार सवार पांवटा साहिब से देहरादून ओर जा रहे थे।

यह हादसा हिमाचल-उत्तराखंड बॉर्डर पर हुआ। पुलिस ने बताया कि तीनों मृतकों की पहचान तरसेम सिंह (32 वर्ष), अमित कुमार (37 वर्ष) और सोनू के रूप में हुई है। मृतक सिरमौर, मुजफ्फरनगर और नोएडा के रहने वाले थे। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

हादसा इतना खौफनाक था कि टक्कर लगते ही कार के परखच्चे उड़ गए। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और कार में सवार तीनों लोग अंदर ही बुरी तरह फंस गए।

टक्कर के कारण कार सवार तीनों व्यक्तियों को इतनी गंभीर चोटें आईं कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

दिल्ली में बीजेपी राज्यसभा सांसद के घर चोरी

बाथरूम की टोंटी और गटर का ढक्कन भी ले गए चोर

नई दिल्ली ■ एजेंसी



दिल्ली के फिरोजशाह रोड स्थित कोठी नंबर 18 में राज्यसभा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल के सरकारी आवास में चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस को रविवार सुबह घटना की सूचना मिली, जिसके बाद दिल्ली पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की।

बीजेपी सांसद के आवास के बाथरूम से टैब, जरूरी सामान और गटर का ढक्कन चोरी होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, सासंद का घर खाली था, इसलिए यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है कि आवास से और क्या-क्या सामान चोरी हुआ है। घरवालों के आने के बाद ही साफ हो पाएगा कि घर से क्या-क्या सामान चोरी हुआ है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि गटर का ढक्कन और बाथरूम की टोंटी आखिर कौन और किस वजह से ले गया। इस संबंध में सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से भी जानकारी ली जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आवास में इन सामानों की स्थिति और रखरखाव से जुड़े कौन-कौन से लोग वहां आते-जाते थे। बताया जा रहा है कि सांसद के परिवार के सदस्य शाम तक दिल्ली पहुंचेंगे। बीजेपी के राज्यसभा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल पेशे से एक बाल रोग विशेषज्ञ हैं। उनके राजनीतिक सफर की बात करें तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की पृष्ठभूमि से आने वाले डॉ. अग्रवाल ने साल 2002 में गोरखपुर नगर सीट से हिंदू महासभा के टिकट पर चुनाव लड़कर बीजेपी के दिग्गज नेता शिव प्रताप शुक्ल को हराकर राजनीति में बड़ी सनसनी फैलाई थी।

'चुनाव हारने पर जनादेश का अपमान करना कांग्रेस की पुरानी आदत'

शिवराज चौहान का मल्लिकार्जुन खरगे पर तीखा हमला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने चुनावी नतीजों को लेकर कांग्रेस के रुख और चुनाव आयोग पर उठाए जा रहे सवालों पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव हारने के बाद जनादेश का अपमान करना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस चुनाव जीतती है तो चुनाव आयोग सही होता है, लेकिन चुनाव हारने पर वही चुनाव आयोग उसे खराब नजर आने लगता है। उन्होंने सवाल किया कि अगर चुनाव आयोग की व्यवस्था गलत है तो कांग्रेस कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में चुनाव कैसे जीत गई?

केंद्रीय मंत्री ने मतपत्र के जरिए चुनाव कराने की मांग को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश को 80 और 90 के दशक में ले जाना चाहती है। शिवराज चौहान ने कहा कि तकनीक के इस्तेमाल से चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है, ऐसे में सवाल उठता है कि कांग्रेस इसका विरोध क्यों करना चाहती है।

शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि चुनाव हारने पर चुनाव आयोग



को बदनाम करना और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश करना कांग्रेस के DNA में है। शिवराज ने आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस पहले भी आपातकाल लगाकर लोकतंत्र को कमजोर कर चुकी है।

कांग्रेस अब संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का खतरनाक खेल खेल रही है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि संस्थाओं और व्यवस्थाओं को गलत बताकर उन्हें ध्वस्त करने की कोशिश करना देश के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने इसे देश को अराजकता की ओर ले जाने वाला कदम बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नापाक इरादे और मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती के लिए सभी राजनीतिक दलों को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए।

राज्यसभा चुनाव : भाजपा ने कोयल मल्लिक और दिनेश आर्य को मैदान में उतारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव और महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए उत्तराखंड से दिनेश आर्य को टिकट दिया है। वहीं, पश्चिम बंगाल से मशहूर अभिनेत्री कोयल मल्लिक को टिकट दिया गया है। कोयल पहले तृणमूल कांग्रेस (TMC) की ओर से राज्यसभा सांसद थीं, लेकिन उन्होंने इसी साल जुलाई में इस्तीफा दे दिया था। अब वे भाजपा की तरफ से चुनावी मैदान में हैं। भाजपा ने महाराष्ट्र में होने वाले विधान परिषद चुनावों के लिए भी 3 उम्मीदवारों के नाम ऐलान किया है। इन सीटों के लिए 23 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को होगी। पार्टी ने पुणे विभाग (स्नातक निर्वाचन क्षेत्र) से डॉक्टर स्मिता योगेश जाधव, नागपुर विभाग (स्नातक निर्वाचन क्षेत्र) से सुधाकर विट्ठलराव कोहले और पुणे विभाग (शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र) से कौस्तुभ मुरलीधर गावड़े को मैदान में उतारा है। दिनेश लंबे समय से भाजपा से जुड़े हैं। वे भाजपा सरकार में राज्य पेयजल अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

कपिल शर्मा ने बताया नए कॉमेडियन्स को देखने का कारण, तमन्ना भाटिया के सवाल का दिया मजेदार जवाब, बोले- 'कहीं जेल न जाना पड़े'

मुंबई (एजेंसी)। शनिवार को दीपक कुमार मिश्रा की एक्शन एडवेंचर फैंटेसी फिल्म 'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की कास्ट नेटफ्लिक्स इंडिया पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में गेस्ट के तौर पर शामिल हुई।

इस दौरान फिल्म के लीड एक्टर्स सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया ने अपनी फिल्म, कास्ट और आज के दौर में चल रही कॉमेडी के बारे में भी बात की। उन्होंने न सिर्फ कपिल और उनकी टीम की, बल्कि अपने को-स्टार मनीष पॉल की भी जमकर तारीफ की, क्योंकि उन्होंने बिना किसी को बुरा महसूस कराए 'रोस्टिंग' का हुनर बखूबी निभाया।

कपिल शर्मा क्यों देखते हैं नए कॉमेडियन्स का काम

शो में कपिल और मनीष के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने कहा, 'आप दोनों को देखकर मुझे एहसास हुआ कि होस्टिंग एक तरफ है, लेकिन असल में 'रोस्टर' तो आप लोग ही हैं। आजकल बहुत से लोग रोस्टिंग करते हैं, लेकिन आप लोग ऐसी रोस्टिंग करते हैं जिसे परिवार के साथ भी देखा जा सकता है।' जब उन्होंने कपिल से पूछा कि क्या नए कॉमेडियन ने उनसे रोस्टिंग सीखी है तो कॉमेडियन ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'हम इन नए बच्चों को यह सीखने के लिए देख रहे हैं कि क्या नहीं बोलना चाहिए, ताकि हम जेल न चले जाएं।'

तमन्ना और सिद्धार्थ ने कपिल शर्मा की तारीफ

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी साफ-सुथरी कॉमेडी करने के लिए कपिल शर्मा उनकी टीम और मनीष पॉल की तारीफ में तमन्ना भाटिया का साथ दिया। उन्होंने



कहा, 'कपिल, उनकी टीम और मनीष को भी सलाम, जो साफ-सुथरे तरीके से कॉमेडी और रोस्टिंग करते हैं। अच्छे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं ताकि जिस पर मजाक किया जा रहा हो, वह बुरा मानने के बजाय हंस सके। इसमें कोई गाली-गलौज नहीं होती। यही इस शो की राइटिंग की खासियत है।' यह सुन कपिल खुश हो गए।

द वन ने 10 दिन में कमाए इतने करोड़

'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' को एकता कपूर के बालाजी मोशन पिक्चर्स और अरुणाभ कुमार के 'द वायरल फीवर' ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इंडिया टीवी ने 'द वन' को 5 में से 3 स्टार दिए हैं। सुनील ग्रोवर, अनूप सोनी और श्वेता तिवारी जैसे कलाकारों वाली इस फिल्म ने रिलीज के 10 दिनों के अंदर घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 58.85 करोड़ रुपये कमाए हैं। इस तरह यह सिद्धार्थ के करियर की अब तक की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

काजल राघवानी ने बताया कैसे हुआ शादीशुदा खेसारी लाल यादव से प्यार?



मुंबई (एजेंसी)। भोजपुरी एक्ट्रेस काजल राघवानी ने एक्टर खेसारी लाल यादव के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि खेसारी के शादीशुदा होने की बात जानते हुए भी उन्हें उनसे प्यार कैसे हो गया। एक्ट्रेस ने राइज एंड फॉल सीजन 2 में पॉपुलर यूट्यूबर मनीष कश्यप से बातचीत के दौरान इस रिश्ते के बारे में बात की। शो के हालिया एपिसोड में काजल ने खेसारी लाल यादव के साथ अपने अफेयर के बारे में खुलकर बात करते हुए, कहा कि वे अभी भी अपनी जिंदगी में उन्हें याद कर रहे होंगे। भोजपुरी बवाल के दौरान भी काजल ने एक शादीशुदा शख्स से प्यार करने का किस्सा सुनाया था। उन्होंने बताया कि वह जानती थीं कि वह पहले से शादीशुदा है। उसने इस रिश्ते के लिए कुछ हद तक पारिवारिक मुद्दों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि जब उस व्यक्ति ने उसकी देखभाल करना शुरू किया तो वह एक पिता तुल्य व्यक्ति की तलाश कर रही थी।

शादीशुदा खेसारी से प्यार कर बैठीं काजल राघवानी

हाल ही में काजल ने अपने अब्यूसिव रिलेशनशिप के बारे में भी बात की थी। एपिसोड 8 में मनीष ने काजल से पूछा कि खेसारी लाल यादव के शादीशुदा होने की बात पता होने के बावजूद उन्हें उनसे प्यार कैसे हो गया। इस सवाल का जवाब देते हुए काजल ने कहा कि वह किसी शादीशुदा आदमी से प्यार करने वाली पहली महिला नहीं हैं। उन्होंने बताया कि जब वे साथ काम कर रहे थे तो उनके बीच प्यार पनपने लगा और धीरे-धीरे एक-दूसरे के करीब आ गए। काजल ने कहा, 'ऐसी-ऐसी सिचुएशन सामने आईं, हम साथ काम कर रहे थे, अट्रैक्शन हो गया। प्यार हो गया और क्या कह सकते हैं?'

खेसारी लाल यादव करते थे काजल से प्यार

उन्होंने आगे दावा किया कि खेसारी के मन में भी उनके लिए भावनाएं थीं। उन्होंने सवाल किया कि कोई बिना प्यार के पांच साल तक किसी दूसरे इंसान के साथ क्यों रहेगा? उन्होंने कहा, 'हां उनको भी प्यार हुआ। फालतू में फ्री में कोई 5 साल साथ में रहता है क्या।'

काजल न कहा - मेरी जैसी मिलेगी नहीं उनको प्यार करने वाली

काजल ने आगे कहा कि उन्हें विश्वास है कि खेसारी उन्हें जीवन भर याद रखेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरी जैसी मिलेगी नहीं उनको प्यार करने वाली। वो जीवन भर याद करेंगे। वो तो आज भी याद करते होंगे।' एक्ट्रेस पहले भी अपने परेशान रिश्तों के बारे में बात कर चुकी हैं।

अर्चना पूरन सिंह ने खरीदा नया बंगला दिखाई खूबसूरत नजारे से घिरे घर की झलक

मुंबई (एजेंसी)। अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी ने एक और नया बंगला ले लिया है। अर्चना पूरन सिंह ने अपने नए बंगले का होम टूर भी कराया है। अर्चना और उनके परिवार ने मड आइलैंड में नया बंगला खरीदा है, जो चारों तरफ से हरियाली से घिरा है। खास बात तो ये है कि उनका ये नया बंगला उनके घर से कुछ ही कदम की दूरी पर है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने यूट्यूब चैनल पर अपने नए बंगले का होम टूर वीडियो साझा किया है। इस दौरान अर्चना के साथ उनके पति परमीत सेठी, बेटे आर्यमन और आयुष्मान और उनकी गर्लफ्रेंड योगिता बिहानी और समीक्षा शेट्टी भी मौजूद रहीं और सभी ने दायां पैर रखते हुए अपने नए बंगले में कदम रखे।



अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी ने अपने नए यूट्यूब व्लॉग में मड आइलैंड में खरीदी नई प्रॉपर्टी के हर कोने की झलक दिखाई है। खास बात तो ये है कि ये प्रॉपर्टी हर तरफ से हरियाली और प्राकृतिक नजारों से घिरी है। घर में एंट्री लेते ही योगिता मजाकिया अंदाज में कहती हैं कि आमतौर पर परिवार अपने लिए बेडरूम डिसाइड करते हैं, लेकिन व्लॉगर्स का परिवार घर सेट करने के मामले में बहुत ही अलग तरीके से सोचता है। उनकी पहली चिंता ये रहती है कि कैमरा कहां लगाए जाएं। ये सुनते ही सभी हंसने लगते हैं।

व्लॉग में परमीत सेठी बताते हैं कि कैसे इस नए घर में परिवार की तीनों वर्किंग महिलाएं यानी अर्चना पूरन सिंह, योगिता और समीक्षा साथ काम कर सकती हैं। जहां योगिता यहां अपने वीडियो शूट कर सकती हैं तो वहीं समीक्षा यहां अपनी योगा क्लास ले सकती हैं। इसी बीच अर्चना कहती हैं कि घर का एक कमरा तीनों महिलाओं के लिए एक वॉक इन क्लॉजेट में बदला जा सकता है। बंगले में तीन बेडरूम हैं और हर बैडरूम के साथ बाथरूम भी अटैच्ड हैं ।

'मुझे घर जाना है', तेज प्रताप यादव को सताई मां राबड़ी देवी की याद

मुंबई (एजेंसी)। रियेलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में अलग-अलग क्षेत्र के कई चर्चित चेहरों ने बतौर कंटेस्टेंट एंट्री ली है और अब खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस शो की शुरुआत ही काफी धमाकेदार रही। पहले ही दिन शहजाद पूनावाला से सिवेत तोमर भिड़ गए। बात धक्का-मुक्की तक पहुंच गई और सिवेत ने शहजाद पूनावाला के कपड़े तक फाड़ दिए। इस हरकत के बाद सिवेत शो से बाहर हो गए। शो को शुरू हुए अब कुछ दिन गुजर चुके हैं और इस बार शो में मौजूद कंटेस्टेंट्स के बीच के इक्वेशन भी बदलते नजर आ रहे हैं। तेज प्रताप यादव और स्वरा भास्कर ने भी इस रियेलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट एंट्री ली है और हालिया



एपिसोड में दोनों ही अपने-अपने परिवार को याद करके भावुक हो गए।

'राइज एंड फॉल 2' का माहौल तब भावुक हो गया जब तेज प्रताप यादव ने बताया कि उन्हें अपने घर की याद आ रही है और खासतौर पर मां राबड़ी देवी को वह काफी मिस कर रहे हैं। यही नहीं, उन्होंने ये तक कह दिया कि 'मैं घर जाना चाहता हूं'। तेज प्रताप की बात सुनकर शो के अन्य सदस्य भी भावुक हो गए। खासतौर पर स्वरा भास्कर, जिन्हें अपनी बेटी राबिया की याद सताने लगी। पहले तो स्वरा तेजू भैया को समझाती दिखीं, लेकिन कुछ देर बाद खुद बेटी को याद करके इमोशनल हो गईं और रोने लगीं।

स्वरा भास्कर हालिया एपिसोड में अपनी बेटी राबिया को याद करके भावुक हो गईं और मेकर्स से अपनी बेटी की तस्वीर दिखाए जाने की जिद करने लगीं। वह रोते हुए कहती हैं कि उन्हें अपनी बेटी की बहुत याद आ रही है। इस पर तेज प्रताप उन्हें संभालने की कोशिश करते हैं। स्वरा ने ये वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है।

सेहत

ब्लड शुगर लेवल कम करने के लिए कितनी देर वॉक करनी चाहिए?

ब्लड शुगर का बढ़ना, जिसे मेडिकल टर्म में हाइपरग्लाइसीमिया कहा जाता है, स्वास्थ्य से जुड़ी एक बड़ी समस्या है। हमारे शरीर में अग्न्याशय 'इंसुलिन' नामक हार्मोन बनाता है, जो भोजन से मिलने वाले ग्लूकोज को सेल्स तक पहुंचाकर एनर्जी में बदलता है। जब शरीर में इंसुलिन का निर्माण कम हो जाता है या सेल्स इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पातीं, तो ग्लूकोज ब्लड में जमा होने लगता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। इसे कंट्रोल करने के लिए लोग वॉक भी करते हैं। लेकिन सवाल उठता है कि ब्लड शुगर लेवल को कम करने के लिए कितनी देर वॉक करना चाहिए। डॉ. दिनेश कुमार,



डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, फोर्टिस, ग्रेटर नोएडा बता रहे हैं कि रोजाना कितना वॉक करने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

क्या कहते हैं डॉक्टर

ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में नियमित फिजिकल एक्टिविटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खासतौर पर वॉकिंग सबसे बेहतरीन एक्सरसाइज माना गया है, जिसे ज्यादातर लोग अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। नियमित रूप से चलने से शरीर की मांसपेशियां ग्लूकोज का इस्तेमाल करती हैं, जिससे ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। आमतौर पर एक स्वस्थ वयस्क को सप्ताह में कम से कम 150 मिनट मीडियम लेवल की फिजिकल एक्टिविटी करने की सलाह दी जाती है। इसे रोजाना लगभग 30 मिनट की तेज चाल वाली वॉक के रूप में किया जा सकता है। अगर किसी व्यक्ति के लिए लगातार 30 मिनट चलना मुश्किल है, तो वह इसे 10-10 मिनट के छोटे सेशन में भी बांट सकता है।

डायबिटीज के मरीज करें ये काम

डायबिटीज या बढ़े हुए ब्लड शुगर वाले लोगों के लिए खाने के बाद थोड़ी देर टहलना भी फायदेमंद हो सकता है। भोजन के बाद 10 से 15 मिनट की हल्की से मध्यम गति की वॉक करने से शरीर को ग्लूकोज का इस्तेमाल करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, वॉक की अवधि और उसकी तीव्रता व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य, वजन, फिटनेस और ब्लड शुगर के लेवल के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। वॉक करते समय बहुत ज्यादा थकान, चक्कर, कमजोरी या असहजता महसूस हो तो तुरंत रुकना चाहिए। डायबिटीज की दवा या इंसुलिन लेने वाले लोगों को एक्सरसाइज के दौरान ब्लड शुगर में बहुत ज्यादा गिरावट के जोखिम को ध्यान में रखना चाहिए और अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही एक्सरसाइज रूटीन बनाना चाहिए।

प्रेग्नेंसी में हो रही अपच की समस्या तो अपनाकर देखें ये घरेलू नुस्खे

कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इनमें से एक है अपच या भूख न लगने की समस्या। ये बहुत कॉमन समस्या है और इससे ज्यादातर महिलाएं परेशान रहती है।

प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादातर महिलाओं को खाने का मन बिल्कुल भी नहीं करता, पेट में हर वक्त भारीपन महसूस होता है। लेकिन इस समस्या को नज़रअंदाज करना मां और बच्चे दोनों की सेहत पर असर डाल सकता है। ऐसे में कुछ आसान घरेलू नुस्खे अपनाकर अपच की समस्या से छुटकारा पा सकती हैं।

1. सौंफ का पानी

सौंफ पाचन के लिए रामबाण मानी जाती है। यह पेट की मांसपेशियों को आराम देती है और गैस को कम करती है। ऐसे में खाने के बाद आधा चम्मच सौंफ चबाएं या एक गिलास पानी में सौंफ उबालकर उसे छानकर पिएं। इससे अपच की समस्या नहीं होगी।

2. अदरक और नींबू

अदरक में ऐसे तत्व होते हैं जो पाचन तंत्र को उत्तेजित करते हैं और मतली को भी कम करते हैं। गुनगुने पानी में थोड़ा सा अदरक का रस और नींबू मिलाकर पिएं। आप अदरक वाली चाय, बिना दूध की भी ले सकती हैं। ये भी प्रेग्नेंसी में रामबाण साबित हो सकता है।

3. नारियल पानी

नारियल पानी एक नेचुरल एसिड न्यूट्रलाइज़र है। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और पेट की जलन को शांत करता है। रोजाना सुबह या दोपहर के समय एक ताजा नारियल पानी पिएं।

4. ठंडा दूध

अगर आपको सीने में जलन महसूस हो रही है, तो ठंडा दूध तुरंत राहत दे सकता है। यह पेट के एसिड को शांत करने में मदद करता है। बिना चीनी वाला आधा गिलास ठंडा दूध धीरे-धीरे पिएं।

डॉक्टर की सलाह?

यदि इन नुस्खों के बाद भी आपको उल्टी या अपच जैसी समस्या हो रही है, तो अपने डॉक्टर से संपर्क जरूर करें। बिना डॉक्टरी सलाह के कोई भी एंटासिड दवा न लें।

डायबिटीज के मरीजों का डाइट प्लान

डायबिटीज़ आज के समय की सबसे गंभीर बीमारियों में से एक बन चुकी है, जिसे सही लाइफस्टाइल और अच्छी डाइट के जरिए कंट्रोल किया जा सकता है। अक्सर लोग दवाइयों पर निर्भर हो जाते हैं, लेकिन असल में आपकी रोज़ की थाली ही ब्लड शुगर को मैनेज करने में सबसे बड़ा रोल निभाती है। क्या खाएं, कितना खाएं और कब खाएं ये तीनों बातें डायबिटीज़ कंट्रोल करने के लिए बेहद अहम हैं। अगर आप भी अपनी डाइट को लेकर कंफ्यूज़ रहते हैं, तो यहां जानिए एक आसान और असरदार डाइट गाइड, जो आपकी शुगर को बैलेंस रखने में मदद करेगी

कैसी होनी चाहिए डाइट?

कार्बोहाइड्रेट्सः कार्बोहाइड्रेट्स का ब्लड ग्लूकोज़ लेवल पर सबसे ज़्यादा असर पड़ता है, इसलिए डायबिटीज़ मैनेजमेंट का सबसे पहला और सबसे ज़रूरी मकसद सही कार्ब्स चुनना है।डायबिटीज़ मरीज़ों की डाइट में कार्ब्स के बजाय कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स (GI) वाले फूड्स शामिल होने चाहिए।

चावल के बजाय रोटी चुनें, क्योंकि चावल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स रोटी से ज़्यादा होता है। गेहूँ का आटा, बाजरे का आटा या चने का आटा मिलाकर भी रोटियाँ बना सकते हैं, जिससे पोषण और भी बढ़ जाएगा। अगर आप अपने खाने में चावल के अलावा कुछ और सोच ही नहीं पा रहे हैं, तो सफ़ेद चावल के बजाय ब्राउन राइस चुनें, क्योंकि इसमें ज़्यादा फाइबर होता है और इसका GI कम होता है।

प्रोटीनः डायबिटीज़ के मरीज़ों की डाइट में प्रोटीन्स का एक बड़ा हिस्सा होता है, क्योंकि ये खून में ग्लूकोज़ का लेवल बढ़ाए बिना इंसुलिन के रिस्पॉन्स को बढ़ा सकते हैं।

अपने दिन की शुरुआत एक गिलास स्किम्ड दूध से करें, ताकि आपको अच्छी मात्रा में प्रोटीन मिल सके।

कच्ची सब्ज़ियाँ और बिना प्रोसेस किए हुए अनाज खाएँ, क्योंकि इनमें फ़ाइबर और प्रोटीन दोनों ही भरपूर मात्रा में होते हैं।

अपनी रसोई में अलग-अलग तरह की दालें रखें, जैसे कि मूँग दाल, अरहर दाल, उड़द दाल, चना दाल और मसूर दाल।

अपने खाने में कम फ़ैट वाले डेयरी उत्पाद, कम फ़ैट वाला मांस या प्रोटीन से भरपूर फलियाँ शामिल करें।

40 की उम्र के बाद महिलाओं को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए सुरन, एक्सपर्ट ने बताए गजब के फायदे

उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव होने लगते हैं और 40 की उम्र के बाद डाइट पर खास ध्यान देना जरूरी हो जाता है। इस उम्र में हड्डियों, पाचन, हार्मोनल बदलाव और वजन से जुड़ी समस्याओं का ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसे में पोषक तत्वों से भरपूर सब्जियों को डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। सुरन ऐसी ही एक सब्जी है, जिसमें फाइबर, पोटैशियम और कई अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट और वेट लॉस कोच लीमा महाजन ने अपने यू ट्यूब पर पर वीडियो शेयर कर बताया है, इसे संतुलित डाइट का हिस्सा बनाकर महिलाएं इसके कई संभावित फायदे पा सकती हैं।

40 की उम्र के बाद सुरन खाने के फायदे

पाचन के लिए फायदेमंदः सुरन में अच्छी मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन तंत्र को बेहतर तरीके से काम करने में मदद कर सकता है। इसे डाइट में शामिल करने से कब्ज जैसी समस्या से बचने में भी मदद मिल सकती है।

वजन मैनेजमेंट में मददगारः फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ पेट को लंबे समय तक



भरा रखने में मदद करते हैं। ऐसे में संतुलित मात्रा में सुरन खाने से बार-बार लगने वाली भूख को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

हार्मोन को बैलेंस करने में मददः सुरन में मौजूद पोषक तत्व और फाइबर शरीर के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। 40 की उम्र के बाद होने वाले हार्मोनल बदलावों के दौरान संतुलित डाइट के हिस्से के रूप में सुरन को शामिल किया जा सकता है।

हड्डियों के लिए जरूरी पोषक तत्वः 40 के बाद महिलाओं को हड्डियों की सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए। सुरन में पोटैशियम और कुछ अन्य माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं, जो संतुलित डाइट का हिस्सा बन सकते हैं।

शरीर को जरूरी पोषण देता हैः सुरन में कार्बोहाइड्रेट, फाइबर और कई विटामिन-मिनरल्स पाए जाते हैं। इसलिए इसे अन्य सब्जियों और प्रोटीन स्रोतों के साथ संतुलित भोजन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

कैसे खाएं?

सुरन को उबालकर, सब्जी बनाकर या कम तेल में पकाकर डाइट में शामिल किया जा सकता है। इसे डीप फ्राई करने के बजाय हल्के तेल में पकाना बेहतर विकल्प रहेगा।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

सोमवार 05 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

सेवा सेतु शिविर आज भाठीगढ़ में

गरियाबंद। सेवा सेतु अभियान-'सरकार आपके द्वार' के तहत सेवा सेतु शिविर मैनपुर विकासखण्ड में 05 अक्टूबर को भाठीगढ़ के उन्मुक्त प्ले ग्राउंड में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के तहत शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा तथा प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। जिला प्रशासन ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है।

अंग्रेजी और देशी शराब के साथ अधेड़ गिरफ्तार

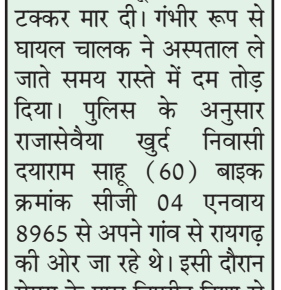
महासमुंद। सरायपाली पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अंग्रेजी और देशी शराब की कुल 55 नग बरामद की है। जब्त शराब की कीमत 6,400 रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार किशनपुर निवासी और वर्तमान में ग्राम कुटेला में रहने वाले अविनाश तिवारी (39) के कब्जे से 35 नग गोवा स्पेशल व्हिस्की, 15 नग गोल्डन गोवा सुपीरियर अंग्रेजी शराब और 5 नग सवा शेरा देशी प्लेन मदिरा बरामद की गई। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी अविनाश तिवारी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

बाइक भिड़ंत में 60 वर्षीय चालक की मौत

महासमुंद। पिथौरा थाना क्षेत्र में दो बाइक की भिड़ंत में एक बाइक चालक की मौत हो गई। हादसा मेमरा के पास हुआ, जहां विपरीत दिशा से आ रही बाइक ने दूसरी बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल चालक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार राजासेवैया खुर्द निवासी दयाराम साहू (60) बाइक क्रमांक सीजी 04 एनवाय 8965 से अपने गांव से रायगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मेमरा के पास विपरीत दिशा से आ रही एचएफ डीलक्स बाइक क्रमांक सीजी 06 एचए 2802 के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दयाराम साहू को गंभीर चोटें आईं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। मामले की जांच के बाद पिथौरा पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ धारा 106(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

निधन

त्रिवेणी देवी दुबे



गौरेला। श्रीमती त्रिवेणी देवी दुबे पति स्व. राजा राम दुबे का निधन दिनांक 4/10/26 को प्रातः हो गया था जिनका अंतिम संस्कार गौरेला के स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया! वे नगर पालिका गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे एवं राकेश दुबे की माताजी थी! भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ दुबे, कौस्तुभ दुबे, आयुष दुबे, समयांतक दुबे की दादी जी थी।

'रोल बोल यूथ कॉन्क्लेव-2026' में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए राज्यपाल

सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्य और नवाचार से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है : डेका

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राज्यपाल श्री रमेन डेका आज रोल- बोल सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित 'रोल बोल यूथ कॉन्क्लेव-2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्यों, नवाचार और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग को जीवन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री डेका ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जीवन में सकारात्मकता बहुत आवश्यक है। हमें हमेशा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नकारात्मक सोच के साथ सफलता प्राप्त करना कठिन है। उन्होंने कहा कि 'रोल-बोल-रेस्ट ऑफ लाइफ, बेस्ट ऑफ लाइफ' जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने और अपने साथ-साथ दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने की सोच का संदेश देता है।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि जो हो गया, उसे पीछे छोड़कर और भविष्य की अनावश्यक चिंता किए बिना वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमारे जीवन की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि हमने कितने अच्छे संबंध बनाए हैं और परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों तथा पड़ोसियों के साथ हमारे संबंध कैसे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि हार को भी स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हार हमें



कठिन परिश्रम करने और अगली बार बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट और तकनीक ने पूरी दुनिया को हमारी पहुंच में ला दिया है। गूगल के माध्यम से बहुत-सी जानकारियां आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन युवाओं में मौलिक सोच, मानसिक अभ्यास और स्वयं खोज करने की क्षमता विकसित होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नई खोज, नवाचार और नई संभावनाओं को तलाशने की क्षमता मानव जीवन की विशेषता है। विज्ञान और तकनीक ने जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन किए हैं और इसका प्रमुख आधार निरंतर नवाचार है। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानव जीवन को बेहतर बनाना भी है। तकनीक का विकास निरंतर जारी रहेगा, लेकिन उसका उपयोग समाज और मानवता के हित में होना चाहिए।

राज्यपाल श्री डेका ने युवाओं से कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ करें। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज, भ्रामक सामग्री और डीपफेक जैसी चुनौतियों से स्वयं को और समाज को सुरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मशीन बुद्धिमान हो सकती है, लेकिन मानवता मनुष्य के भीतर ही रहती है। तकनीक कितनी भी विकसित हो जाए, वह मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि जीवन में चरित्र का बहुत महत्व है। हमें अपने संबंधों को सहेजकर रखना चाहिए और सफलता मिलने पर भी विनम्र बने रहना चाहिए। ज्ञान लीजिए, ज्ञान दीजिए और इसका दान करिए यही सच्ची मानवीय परंपरा है।

राज्यपाल ने कहा कि मानव का बौद्धिक गुण सर्वोपरि है। तकनीक का उपयोग रचनात्मक कार्यों और समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि विनाश के लिए।

अबूझमाड़ में बदलाव की नई इबारत: जहां 15 साल रहा सुरक्षा कैंप, अब वहीं संवर रहा आदिवासी बच्चों का भविष्य

रायपुर ■ दैनन्दिनी

नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ में बदलाव की एक नई और उम्मीद जगाने वाली तस्वीर सामने आई है। नारायणपुर जिले के भाटपाल में जिस परिसर में करीब 15 वर्षों तक सुरक्षा बलों का कैंप संचालित होता रहा, आज उसी परिसर में दूरस्थ आदिवासी गांवों के बच्चे रहकर अपने बेहतर भविष्य की तैयारी कर रहे हैं।

बस्तर संभाग में अपनी तरह की इस पहली पहल के तहत पुराने सुरक्षा कैंप को



जनजातीय विद्यार्थियों के छात्रावास और शिक्षा से जुड़े केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। कभी सुरक्षा और शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला यह परिसर अब शिक्षा, अवसर और नई पीढ़ी के भविष्य निर्माण का आधार बन गया है।

यह केवल किसी पुराने भवन का नया उपयोग नहीं, बल्कि उस बदलते अबूझमाड़ की कहानी है, जहां विकास की प्राथमिकताएं सुरक्षा से आगे बढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आजीविका और नई पीढ़ी के लिए अवसरों के विस्तार तक पहुंच रही हैं।

नारायणपुर जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर भाटपाल का यह परिसर लंबे समय तक सुरक्षा बलों का महत्वपूर्ण ठिकाना रहा। करीब 15 वर्षों तक यहां सुरक्षा बल तैनात रहे। क्षेत्र में परिस्थितियां बदलने के बाद परिसर खाली हुआ तो जिला प्रशासन ने इसे अनुपयोगी छोड़ने के बजाय बच्चों की शिक्षा से जोड़ने का निर्णय लिया।

ग्रामीणों ने लिया जल स्रोतों को स्वच्छ रखने और जल संरक्षण का संकल्प

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, जिले में जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विविध गतिविधियां लगातार आयोजित की जा रही हैं।

इसी कड़ी में शनिवार को जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं पंचायत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पंचायत पिपरखुटी स्थित सोनकछार जलाशय के आसपास स्वच्छता एवं जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।अभियान के दौरान सोनकछार जलाशय एवं आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई की गई। इसके साथ ही नदी-घाट स्वच्छता, जल जन चौपाल, जनसंपर्क, ग्रामीण पेयजल स्रोतों की जांच तथा ग्राम जल सुरक्षा संवाद जैसी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। जल जन चौपाल में ग्रामीणों को बताया गया कि जल स्रोतों की स्वच्छता केवल पर्यावरण संरक्षण से ही नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन से भी सीधे जुड़ी हुई है।

वर्षा जल के संचयन, उपलब्ध जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा तालाब, जलाशय एवं अन्य परंपरागत जल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पिपरखुटी के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करने, जल स्रोतों को स्वच्छ रखने तथा जल संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने का सामूहिक संकल्प लिया। सेवा संकल्प अभियान की यह पहल स्वच्छ जल स्रोत और सुरक्षित भविष्य के संदेश के साथ ग्रामीणों को जल संरक्षण की जिम्मेदारी से जोड़ रही है।

सौर सुजला योजना से सिंचाई सुविधा मिली एक एकड़ में तीन फसलें ले रहे आशीष टोप्पो

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कोरिया के ग्राम पंचायत कदमनारा निवासी 46 वर्षीय श्री आशीष टोप्पो पिता श्री प्रभुदयाल खेती-किसानी से जुड़े हैं। उनके पास लगभग एक एकड़ कृषि भूमि है, जहां वे सौर सुजला योजना के माध्यम से प्राप्त सौर सिंचाई सुविधा का उपयोग खेती के लिए कर रहे हैं।

आशीष टोप्पो के अनुसार, सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने से वे अपनी कृषि भूमि पर वर्ष में अलग-अलग मौसम में फसल लेने का प्रयास कर पा रहे हैं। वे धान, गेहूं, सरसों, उड़द और



मूंगफली जैसी फसलों की खेती करते हैं। वर्तमान में वे वर्ष में लगभग तीन फसलें लेने की दिशा में काम कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि खेती से उन्हें सालाना लगभग एक लाख रुपये की आमदनी प्राप्त होती है। उनके अनुसार, सौर सिंचाई सुविधा से खेत में पानी की उपलब्धता को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिली है और वे अपनी कृषि गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित कर पा रहे हैं।आशीष टोप्पो के लिए सौर सुजला योजना खेती में सिंचाई सुविधा का एक महत्वपूर्ण साधन बनी है। वे उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ अपनी कृषि आय को बनाए रखने और खेती को अधिक व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

जल जीवन मिशन से बासीन में बदली जिंदगी, हर घर पहुंचा स्वच्छ पेयजल

सक्ती (एजेंसी)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आमजन की सेवा की कहानियां सामने आ रही है। विकासखंड सक्ती के ग्राम पंचायत बासीन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल कनेक्शन की सुविधा मिलने से ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। कभी पानी के लिए दूर-दराज के हैंडपंपों और कुओं पर निर्भर रहने वाले ग्रामीणों के घर-आंगन में अब नल से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इस सुविधा ने विशेष रूप से महिलाओं और बालिकाओं के समय और श्रम की बचत की है तथा गांव में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा मिला है। ग्राम बासीन में कुल जनसंख्या 859, परिवार 207 तथा 207 नल कनेक्शन हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन एवं ग्रामीणों की सहभागिता से गांव में उच्चस्तरीय जलाशय, सुरक्षित बाउंड्रीवाल, पंप हाउस तथा पाइपलाइन का नेटवर्क विकसित किया गया। प्रत्येक घर तक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC)



पहुंचाया गया।

साथ ही ग्रामीण महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट (FTK) के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता जांचने का प्रशिक्षण दिया गया। योजना के सुचारू संचालन एवं रखरखाव के लिए ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (VWSC) का गठन किया गया, जिससे जलापूर्ति व्यवस्था में ग्रामीणों की भागीदारी और जिम्मेदारी सुनिश्चित हुई।

जल जीवन मिशन से पहले ग्राम बासीन में पेयजल की समस्या ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा थी।

अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव

रायपुर ■ दैनन्दिनी



उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव महाराष्ट्र के बीड में आयोजित अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक और सामान्य सभा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। देशभर से आए पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज के विकास और सामाजिक हित पर चर्चा की। श्री साव ने वहां काकू स्मृति स्थल में स्वर्गीय केशरबाई क्षीरसागर 'केशर काकू' को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में समाज हित के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। संगठन की गतिविधियों और सामाजिक हित से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

श्री साव ने कहा कि तैलिक समाज अपने परिश्रम और ईमानदारी की वजह से देश का प्रतिष्ठित और व्यापक समाज है। हमें समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा के क्षेत्र में समाज को प्रभावी रूप से जोर देना चाहिए। इस तरह के मंच संवाद और सहभागिता को मजबूत करते हैं।

'केशर काकू को दी श्रद्धांजलि, योगदान को किया याद'

सोनाजीराव क्षीरसागर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज परिसर में श्री साव ने स्वर्गीय केशरबाई क्षीरसागर श्केशर काकूश् के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्री साव ने ष्केशर काकूष् को समाज के नींव के रूप में स्मरण किया। केशर काकू महाराष्ट्र विधानसभा में विधायक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। तैलिक समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के दायित्व के दौरान उन्होंने देशभर की इकाईयों को एक छत के नीचे एकजुट कर समाज के उत्थान में हर वर्ग को किस तरह अपनी भूमिका निभानी चाहिए, इस पर जोर दिया। समाज की महिलाओं को सभी क्षेत्रों में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर समाज के हित में कार्य करने प्रेरित किया। श्री साव ने श्केशर काकूश् की स्मृति में आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

श्री साव ने कहा कि महासभा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष केशर काकू ने संगठन को मजबूत बनाने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, इससे सभी पदाधिकारियों को सीखना चाहिए। वर्तमान में उनके सुपुत्र महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री श्री जयदत्त क्षीरसागर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका निभाते हुए समाज को एकजुट कर बेहतर कार्य कर रहे हैं। केशर काकू के कार्यों और संकल्पों को पूरा करने का कार्य श्री जयदत्त क्षीरसागर कर रहे हैं।

'सामान्य सभा में एकजुटता के साथ आगे बढ़ने पर चर्चा'

अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की सामान्य सभा में श्री साव ने वरिष्ठ पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ सहभागिता की। इस दौरान समाज के विकास और सामाजिक हित के विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। साथ ही सामाजिक एकजुटता और समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने पर विचार मंथन किया गया।

आबकारी एक्ट के तहत 10 प्रकरण दर्ज, 12 आरोपियों के विरुद्ध की गई वैधानिक कार्यवाही

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले में अवैध शराब की बिक्री, शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कबीरधाम जिला के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन में कबीरधाम पुलिस द्वारा लगातार वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आबकारी एक्ट के तहत कुल 10 प्रकरण दर्ज कर 12 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। जिसमें थाना सिटी कोतवाली कवर्धा पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध 04 प्रकरणों में कार्यवाही की गई।थाना सिटी कोतवाली कवर्धा पुलिस द्वारा राजनांदगांव बायपास तिराहा रोड, नहर किनारे अवैध रूप से शराब बिक्री करते पाए गए धनुष सिंह ठाकुर, उम्र 45 वर्ष, निवासी रामनगर शिवाजी कॉलोनी कवर्धा के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। आरोपी के कब्जे से 60 पौवा देशी प्लेन शराब, कुल 10.800 बल्क लीटर, कीमत 4,800/- रुपये एवं शराब बिक्री की रकम 320/- रुपये, कुल 5,120/- रुपये का जप्ती की गई। आरोपी को मौके पर विधिवत गिरफ्तार किया गया।

इसी प्रकार 132 के.व्ही. सब स्टेशन के पास भोरमदेव रोड कवर्धा में अवैध रूप से शराब बिक्री करते पाए गए कुन्दन मोंगरे, उम्र 34 वर्ष, निवासी रविदास नगर कवर्धा के विरुद्ध धारा 34(1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। आरोपी के कब्जे से 21 पौवा देशी प्लेन शराब, कुल 3.780 लीटर, कीमत 1,680/- रुपये एवं बिक्री रकम 360/- रुपये, कुल 2,040/- रुपये का जप्ती की गई।

थाना सिटी कोतवाली कवर्धा पुलिस द्वारा सब्जी मंडी के पास ट्रांसपोर्ट नगर में अवैध रूप से शराब बिक्री करते पाए गए विजय सारथी, उम्र 40 वर्ष, निवासी दर्रीपारा कवर्धा के विरुद्ध धारा 34(1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। आरोपी के कब्जे से 15 पौवा देशी प्लेन शराब, कुल 2.700 लीटर, कीमत 1,200/- रुपये एवं बिक्री रकम 220/- रुपये, कुल 1,420/- रुपये का जप्ती की गई।

इसी प्रकार नया बस स्टैण्ड, जुनवानी रोड कवर्धा में अवैध शराब बिक्री करते पाए गए पीन्टू उर्फ दयालु यादव, उम्र 31 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 25 कवर्धा के विरुद्ध धारा 34(1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। आरोपी के कब्जे से 15 पौवा देशी प्लेन शराब, कुल 2.700 लीटर, कीमत 1,200/- रुपये एवं बिक्री रकम 240/- रुपये, कुल 1,440/- रुपये का जप्ती की गई।

इसी क्रम में थाना पिपरिया पुलिस द्वारा बिरकोना रोड, बिजली ऑफिस के पास अवैध रूप से शराब अपने कब्जे में रखकर बिक्री करते पाए गए रवि पिता कंवल धुर्वे, उम्र 37 वर्ष एवं अविनाश पिता जीवन लाल साहू, उम्र 36 वर्ष, दोनों निवासी लोखान थाना पिपरिया के विरुद्ध अपराध क्रमांक 316/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपियों के कब्जे से 7.020 लीटर शराब कीमत 3,120/- रुपये एवं परिवहन में प्रयुक्त 01 मोटरसाइकिल क्रमांक CG-09-JP-0918 कीमत 30,000/- रुपये जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

:- संपादकीय :-

एसआईआर और पढ़ाई

देश भर में वोटर लिस्टों में संशोधन के उद्देश्य से चलाये जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी एसआईआर आज प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों से कड़ी जांच के दायरे में हैं। करोड़ों नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने के आरोप भी लगे हैं। राजनीतिक प्रतिरोध मुखर होने के बाद अब भारत के चुनाव आयोग ने राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे उन इलाकों में छूट गए और नये वोटरों को शामिल करने के लिये विशेष अभियान चलाएं, जहां लिस्ट में सुधार का काम पूरा हो चुका है। निस्संदेह, स्पेशल इंटेंसिव रिविजन का दायरा बहुत बड़ा है। देश में आजकल इसका तीसरा चरण चल रहा है। जिसके चलते छात्रों की पढ़ाई में आ रहे व्यवधान से समस्या जटिल हो गई है। देश में बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर यानी बीएलओ सरकारी स्कूलों के शिक्षक हैं। जिनके एसआईआर में लगे होने के कारण छात्रों की पढ़ाई पर खासा प्रतिकूल असर पड़ रहा है। मसलन, कर्नाटक में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्र मिड-टर्म परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वजह स्पष्ट है कि उनके शिक्षक पिछले तीन महीनों से स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के कार्य में ड्यूटी कर रहे हैं। जिसके चलते नियमित कक्षाएं नहीं चल पायी हैं। इसी तरह महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से भी ऐसी ही व्यवधान की खबरें आ रही हैं। दरअसल, शिक्षक अपना काफी समय वोटर वेरिफिकेशन, मीटिंग और आंकड़े जुटाने में लगा रहे हैं। बताते हैं कि मुंबई के एक स्कूल के 34 में से 24 शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी कर रहे हैं। ऐसे में अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि छात्रों की पढ़ाई किस हद तक प्रभावित हो रही होगी। इसमें दो राय नहीं है कि पारदर्शी लोकतंत्र के लिये वोटर लिस्ट में सुधार करना निश्चित रूप से जरूरी है। मकसद यही है कि कोई योग्य वोटर न छूट जाए।यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश के सरकारी स्कूल पहले से ही अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता और पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में छात्रों के दाखिले प्रभावित हो रहे हैं। बताते हैं कि देश में करीब एक लाख स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। वहां छात्रों की पढ़ाई का स्तर क्या होगा, इस बात का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे वातावरण में सवाल यह है कि आने वाले दिनों में छात्रों की पढ़ाई को प्रभावित किए बिना एसआईआर का कार्य किया जा सकता है?

ऑनलाइन गेम्स का बढ़ता खतरा ब्राजील से सीखे भारत!

ललित गर्ग ।

इसके साथ ही देश की दूरसंचार एजैंसी एनातले के सहयोग से अवैध सट्टेबाजी वैबसाइटों को लगातार ब्लॉक किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने जुएबाजी और सट्टद्देबाजी से संबंधित अपराधों से निपटने के लिए कड़े दंड के प्रावधान विधेयक पर भी हस्ताक्षर किए। जहां तक भारत का सम्बन्ध है, मार्च 2019 में गुजरात में अत्यधिक लत लगाने और हिंसक होने के कारण पबजी मोबाइल पर बैन लगा दिया गया था। फिर 29 जून, 2020 को प्राइवेसी से जुड़ी चिंताओं के कारण भारत ने मोबाइल लेजैंड्स, बैंग-बैंग, टिकटॉक, यू.सी. ब्राऊजर तथा जैंडर जैसी 100 से अधिक चीनी ऐप्स पर बैन लगा दिया। पबजी मोबाइल तथा बैंग-बैंग भारत में सर्वाधिक कमाई करने वाले मोबाइल गेम्स थे। भारत सरकार का मानना था कि ये ऐप्स बिना अनुमति के यूजर का डाटा चुरा कर चुपके से भारत के बाहर स्थित सर्वर पर भेज रहे थे। चीन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, कोरिया, जॉर्डन, नेपाल, इसराईल और इराक में भी पबजी मोबाइल प्रतिबंधित है। अब जबकि अगले महीने ब्राजील में चुनाव होने जा रहे हैं, चौथी बार देश का राष्ट्रपति बनने के लिए प्रयत्नशील लूला डी सिल्वा ने देश में ऑनलाइन गेमिंग गैम्बलिंग के बढ़ते वित्तीय व सामाजिक जोखिमों पर काबू पाने के लिए ऑनलाइन गैम्बलिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है।



मोबाइल गेमिंग के अत्यधिक उपयोग से दुनिया भर में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य तथा सामाजिक जीवन पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं, जिनके दृष्टिद्गत वेनेजुएला, ब्राजील, जापान, सिंगापुर, सऊदी अरब, जर्मनी, ब्रिटेन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान और पाकिस्तान आदि दुनिया के 15 से अधिक देशों में ऑनलाइन गेमिंग पर रोक लगा दी गई है।अब जबकि अगले महीने ब्राजील में चुनाव होने जा रहे हैं, चौथी बार देश का राष्टद्वपति बनने के लिए प्रयत्नशील लूला डी सिल्वा ने देश में ऑनलाइन गेमिंग गैम्बलिंग के बढ़ते वित्तीय व सामाजिक जोखिमों पर काबू पाने के लिए ऑनलाइन गैम्बलिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है। लूला ने इस मौके पर देश के जुआ उद्योग को एक कैंसर करार देते हुए कहा यदि हम इस ट्यूमर(गांठ) को नहीं निकालेंगे तो यह हमें मार डालेगा। इसके अनुसार हर तरह के सट्टेबाजी प्लेटफार्मों के उपयोग, स्पोर्ट्स बैटिंग तथा ऑन लाइन कैसीनोज पर रोक लगाने के साथ ही ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए क्रिप्टो करंसी व अन्य वर्चुअल एसेट्स के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। ऑनलाइन गेम्स के विज्ञापनों में लत के जोखिम और वित्तीय नुकसान की चेतावनी देना अनिवार्य कर दिया गया है। आसान पैसा कमाने के दावों और विशेषज्ञ कमैंटेटरों द्वारा सट्टेबाजी के लिए उकसाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके साथ ही देश की दूरसंचार एजैंसी एनातले के सहयोग से अवैध सट्टेबाजी वैबसाइटों को लगातार ब्लॉक किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने जुएबाजी और सट्टद्देबाजी से संबंधित अपराधों से निपटने के लिए कड़े दंड के प्रावधान विधेयक पर भी हस्ताक्षर किए। जहां तक भारत का सम्बन्ध है, मार्च 2019 में गुजरात में अत्यधिक लत लगाने और हिंसक होने के कारण पबजी मोबाइल पर बैन लगा दिया गया था। फिर 29 जून, 2020 को प्राइवेसी से जुड़ी चिंताओं के कारण भारत ने मोबाइल लेजैंड्स, बैंग-बैंग, टिकटॉक, यू.सी. ब्राऊजर तथा जैंडर जैसी 100 से अधिक चीनी ऐप्स पर बैन लगा दिया। पबजी मोबाइल तथा बैंग-बैंग भारत में सर्वाधिक कमाई करने वाले मोबाइल गेम्स थे। भारत सरकार का मानना था कि ये ऐप्स बिना अनुमति के यूजर का डाटा चुरा कर चुपके से भारत के बाहर स्थित सर्वर पर भेज रहे थे। चीन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, कोरिया, जॉर्डन, नेपाल, इसराईल और इराक में भी पबजी मोबाइल प्रतिबंधित है। पबजी मोबाइल पर बैन के जवाब में दक्षिण कोरिया ने बैटल ग्राऊंड्स मोबाइल इंडिया बनाया, जो ओरिजिनल पबजी मोबाइल गेम से थोड़ा अलग है। बैटल ग्राऊंड्स मोबाइल इंडिया में 18 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ी माता-पिता की अनुमति के बिना दिन में 3 घंटे से अधिक गेम नहीं खेल सकते। नाबालिगों को गेम के स्टोर पर एक दिन में 7000 रुपए से अधिक खर्च करने की भी अनुमति नहीं है। भारत के कई राज्यों की सरकारों ने ऐसी ऑनलाइन गेम्स पर रोक लगा दी है, जिनमें पैसे का दांव लगाया जाता है। गेमिंग से चढ़े कर्ज के कारण गेमर्स की आत्महत्याएं के मामले बढ़ जाने से 2020 में आंध्र प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े नियम बनाए गए। फिर 2021 में, तमिलनाडु सरकार ने चैस, ट्रिविया, फैंटेसी, रम्मी और पोकर जैसे स्किल-बेस्ड गेम्स के ऑनलाइन वर्शन पर रोक लगाने की घोषणा की। कर्नाटक में भी 2021 में ऑनलाइन सट्टेबाजी वाली गेम्स पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया था। फिर 21 अगस्त, 2025 को भारत सरकार ने सभी फैंटेसी स्पोर्ट्स गेम्स और असली पैसे वाले अन्य ऑनलाइन गेम्स पर रोक लगा दी, क्योंकि इन्हें ऑनलाइन जुआ माना गया। ऑनलाइन गेम्स के कारण बच्चों की विचारधारा कुछ ऐसी हो जाती है कि वे अपनी मनचाही वस्तु न मिलने पर हतोत्साहित हो जाते हैं तथा असामान्य व्यवहार करने लगते हैं और मरने-मारने पर आमादा हो जाते हैं। कंडक्ट डिसआर्डर वाले बच्चों के लिए यह असहनीय होता है, जिसका परिणाम दुखद ही निकलता है। कुछ समय पूर्व लखनऊ में एक 16 वर्षीय लड़के ने मात्र इसलिए अपनी मां की हत्या कर दी थी क्योंकि उसने उसे पबजी खेलने से रोक दिया था। अतः भारत में कड़े कानून द्वारा इस प्रकार की ऑनलाइन गेम्स पर जितनी जल्दी रोक लगाई जाएगी, उतना ही अच्छा होगा।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिये शानदार रहने वाला है। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे। आज किसी खास प्रयोजन को लेकर यात्रा संबंधी प्रोग्राम बन सकता है। घर में नजदीकी संबंधियों का आगमन होगा और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बढि?ा रहने वाला है। आज आपको कोई नयी जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य में फायदेमंद साबित होगी। आज काम जिस तरह चल रहे हैं, अभी उनमें किसी तरह का भी बदलाव लाने की कोशिश ना करें। अगर व्यवसाय में कोई नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो उससे संबंधित और अधिक जानकारी हासिल करना जरूरी है।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अचानक ही किसी मित्र से मुलाकात होगी और विशेष मुद्दों पर लाभदायक विचार विमर्श भी होगा।

कर्क राशि :आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस करेंगे। कोई खास कार्य सिद्धि भी संभव है। दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखें। आज सहज तरीके से अपने कार्यों को व्यवस्थित करते चलें। आप किसी जरूरत का सामान खरीदने मार्केट जायेंगे जहां आपकी मुलाकात किसी परिचित से होगी। आज आप किसी काम को पूरा करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। जो चीजें महत्वपूर्ण हैं उनको खुद ही संभालें और जरूरत हो तो किसी अनुभवी की सलाह भी लें।

कन्या राशि :आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे बिजनेस में आपका पूरा स्पोर्ट करेंगे। पूंजी के उचित निवेश के लिए आपको किसी अनुभवी से सलाह लेनी चाहिए। अपने अहम् पर काबू करके परिस्थिति को ठीक से समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको आसानी से हल मिल जायेगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो इससे आपके काम जल्दी निपटेंगे। आज किसी से अनबन की स्थिति में अपने गुस्से पर काबू रखें। आज किसी काम में जल्दबाजी और गुस्सा नहीं करेंगे तो आपका काम आसानी से हो जायेगा। आज आपको ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलने से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। आज पारिवारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपकी मदद कारगर साबित होगी, आज रुके हुए पैसे की वापसी भी हो सकती है।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज दोस्तों और रिश्तेदारों से पूरी मदद मिलेगी। खास काम के सिलसिले में बातचीत भी होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह लेना आपके लिए बहुत ही लाभदायक रहेगा। आज कुछ समय एकांत अथवा आध्यात्मिक स्थल पर बिताएंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आपके मन में किसी प्रकार का डर रहेगा लेकिन डरने की बात नहीं है यह आपकी ओवर थिन्किंग के कारण हो सकता है। आज कार्यस्थल की व्यवस्था में कुछ परिवर्तन लाने की भी जरूरत है।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। ऑफिस में कुछ राजनीति जैसा माहौल रह सकता है। आज जीवनसाथी का आपके प्रति पूर्ण सहयोग रहेगा।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। आज पारिवारिक और व्यावसायिक गतिविधियों में संतुलन बना कर रखने से उचित व्यवस्था बनी रहेगी।

सू- दोकू क्र.179

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

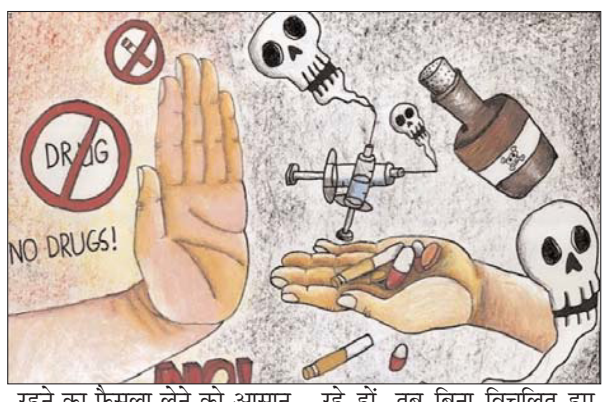
सू-दोकू क्र.178का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

नजरिया | सुरेश हिंदुस्तानी ।

नशीले पदार्थों को 'ना और जिंदगी को 'हां कहें

यह एक दृश्य अक्सर दोहराया जाता है - लगभग हर कॉलेज के छात्रावासों में, हर कार्यालय की पार्टियों में और साथ जवान हो रहे दोस्तों के हर समूह में। कुछ नशीले पदार्थ एक-दूसरे तक पहुंचाए जाते हैं। इस क्रम में एक बात काफी सहजता के साथ, लेकिन जोर देकर कही जाती है कि बाकी सब भी तो ऐसा ही कर रहे हैं। ऐसे में, मना करना कुछ ऐसा लगता है मानो आप समूह के बाकी साथियों से अलग-थलग हो रहे हों। इसके बाद एक पल की चुप्पी छाती है। और फिर एक युवा अपने साथियों के समूह को 'नाइ कहने से पैदा होने वाली शर्मिंदगी और अलग-थलग पड़ जाने की बेचैनी के बीच जल्दी से फैसला ले लेता है। यही एक निर्णायक पल होता है, क्योंकि लत हमेशा सोच-समझकर लिए गए फैसले से नहीं लगती। अक्सर इसकी शुरूआत पीछे छूट जाने के डर से होती है।यही वह मौन लेकिन अहम पल है, जिसको ध्यान में रखकर 'नशा मुक्त भारत अभियानइ (एनएमबीए) की शुरूआत की गई थी। इस अभियान का व्यापक उद्देश्य नशीले पदार्थों की लत के बारे में जागरूकता फैलाना रहा है। लेकिन इसकी असली चुनौती सामाजिक रही है: नशे से मुक्त



रहने का फैसला लेने को आसान बनाना, उस फैसले की अभिव्यक्ति को सहज बनाना और कुल मिलाकर, इस पूरी कवायद को एक सामान्य बात के तौर पर देखना आसान बनाना। जब माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2020 को एनएमबीए की शुरूआत की, तो इस अभियान ने एक कहीं अधिक कठिन चुनौती से जूझना तय किया। यह कठिन चुनौती थी - किसी कमजोर पल में, एक अकेले व्यक्ति द्वारा अपने साथियों के समूह के सामने 'नहींइकहने की हिम्मत लाने की। इस दृष्टि से, इस अभियान का सबसे असरदार शब्द शायद सबसे आसान शब्द है, 'ना।इ यह कोई नाटकीय 'ना।इ नहीं है। यह कोई नैतिक उपदेश नहीं है। बस जब आपके आस-पास के सभी लोग जब 'हांइ कह रहे हों, तब बिना विचलित हुए मना करने का आत्मविश्वास है। प्रधानमंत्री ने कहा है, विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत 'नशा मुक्त युवाइ नाम ही इस संकल्प को पूरी तरह स्पष्ट करता है। अब जबकि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तो यह जरूरी है कि हमारे युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हों, आत्मविश्वास से भरे हों और हमेशा नशे की जानलेवा लत से मुक्त रहें। यही इस अभियान का उद्देश्य है। हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हमारे युवा नशे की लत के खतरों को समझें, जागरूक रहें और इससे दूर रहें। इस संकल्प को साकार करने में 'राष्ट्रीय नशा मुक्त युवा अभियानइ अब एक अहम भूमिका निभा रहा हैछह वर्ष बाद, वह एक पहल अब एक बहुत बड़े अभियान का हिस्सा बन गई है। यह अभियान संकल्प लेने और लोगों को जोड? की गतिविधियों के जरिए 13.71 करोड़ से अधिक युवाओं तक पहुंचा है। साथ ही विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में 31 लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। शैक्षिक परिसरों में विद्यार्थियों का स्वैच्छिक रूप से संकल्प लेना अब एक आम बात हो गई है और ग्राम सभाएं भी अब इस मुद्दे पर नियमित रूप से चर्चा करती हैं। जहां पहले लोग अपने परिवार के किसी सदस्य की लत को निजी शर्म की बात मानकर छिपाते थे, वहीं अब 10.65 करोड़ से अधिक महिलाओं, स्वयं-सहायता समूहों (एसएचजी) और सामुदायिक नेटवर्कों के जरिए, इस बारे में खुलकर और अपनी भाषा में अपने पड़ोसियों से बात करने लगी हैं।19 सितंबर, 2026 तक, 1.70 लाख से अधिक 'नशा मुक्ति मित्र (एनएमएम)इ सामुदायिक स्तर पर चैंपियन बनकर उभरे हैं और 34.57 करोड़ से अधिक लोगों तक यह संदेश पहुंचाने में मदद कर रहे हैं। और, यह रुझान सकारात्मक दिशा में तेजी से आगे की ओर बढ़ रहा है।

विचार

स्मार्ट राइस पॉलिसी अपनाने की जरूरत



भारत का चावल उत्पादन एक दशक में पहली बार घटने के कगार पर है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार 2026-27 का उत्पादन घटकर लगभग 144 मिलियन टन (एम.टी.) रह सकता है, जो पिछले साल के 154 मिलियन टन के रिकॉर्ड उत्पादन से 10 मिलियन टन यानी 6.5 प्रतिशत कम है। यह 2009-10 के अल नीनो सूखे के बाद से सबसे बड़ी गिरावट है। मानसून की बारिश सामान्य से 15 प्रतिशत कम रही है, जिसमें चावल उगाने वाले कुछ राज्यों में 42 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है। भारतीय निर्यात के दाम एक साल से भी अधिक समय के अपने उच्चतम स्तर पर हैं। यह झटका इस बात का परीक्षण करेगा कि हम चावल का प्रबंधन कैसे करते हैं, न कि इस बात का कि हम अपना पेट भर सकते हैं या नहीं।11 सितम्बर तक धान की बुवाई 42.68 मिलियन हैक्टेयर पर थी, जो पिछले साल के 44.38 मिलियन हैक्टेयर से 3.8 प्रतिशत कम है। खरीफ सीजन में लगभग 2.8 टन प्रति हैक्टेयर चावल के हिसाब से, जो कुल उत्पादन का लगभग 4-5वां हिस्सा आपूर्ति करता है, बोए गए क्षेत्र में आई कमी केवल 5 मिलियन टन नुकसान की व्याख्या करता है। कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु कुल गंवाए गए 17 लाख हैक्टेयर के शुद्ध रकबे में से 12.3 लाख हैक्टेयर यानी 72 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। यू.पी., एम.पी., महाराष्ट्र और झारखंड इसमें 5.7 लाख हैक्टेयर और जोड़ते हैं। बाकी 5 मिलियन टन का नुकसान उपज में हुआ है, यानी फसल के पकने के समय पड़े सूखे के दौर के कारण दानों में 4-5 प्रतिशत का दुबलापन आया है।

मौज-मस्ती के संग बापू का पुण्य स्मरण

वे यह समझ नहीं पाए कि आखिर यह छुट्टी बापू के नाम कैसे समर्पित हो। फिर उन्होंने हिसाब लगाया कि इस बार शुक्रवार को गांधी जयंती आई है, यानी शनि-रवि मिलाकर तीन दिन की छुट्टी हो जानी है। क्यों न तीन दिन सपरिवार पर्यटन किया जाए।आज छुट्टी थी। सरकार ने गांधी जयंती का राष्ट्रीय अवकाश घोषित कर रखा था। सुबह सोकर उठे तो वे पशोपेश में थे–छुट्टी किस तरह मनाएं। एक सरकारी कर्मचारी गांधी जयंती पर ऐसा क्या करे कि सरकार के दिए इस अवकाश का सदुपयोग हो। होना तो यह चाहिए था कि जब गांधी जी के जन्मदिन पर छुट्टी मिली तो गांधी जी को तो याद करना बनता ही था। पर गांधी को वे कैसे और किस तरह याद करते कि सरकार के घोषित इस अवकाश की सार्थकता सिद्ध होती।

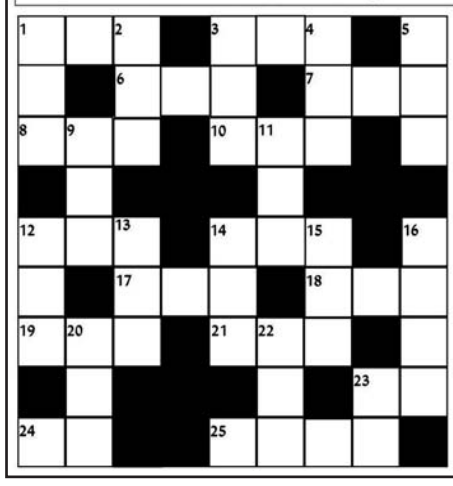
सबसे पहले उन्होंने गांधी जी के दर्शन करना उचित समझा। घर में बापू की तस्वीर की खोजबीन शुरू की तो नहीं मिली। मिलती कैसे, कभी गांधी को याद किया होता तो मिलती। हां, छुट्टी न होती तो सरकारी कार्यालय में तो गांधी जी की तस्वीर दिख ही जाती। पर सरकार ने तो गांधी को याद करने के लिए आज घर पर बैठा दिया है।पत्नी से बापू की तस्वीर के लिए पूछा तो उसने पांच सौ रुपये का नोट दिखाने को कहा। उन्होंने पत्नी को पांच सौ का नोट दिया तो पत्नी ने नोट दिखाते हुए कहा–ह्यलो, कर लो बापू के दर्शन।ह्व पत्नी की बुद्धिमत्ता के वे कायल हो गए। हालांकि यह पत्नी का नोट झटकने का पैंतरा भर था।चलिए, नोट पर बापू के दर्शन हो गए। अब देश के लिए राष्ट्रपिता के योगदान के प्रति कृतज्ञता जताने का और तरीका क्या हो! बापू ने तो अपना पूरा जीवन देश को आजादी दिलाने में झोंक दिया, पर अब देश आजाद था तो वे अपना जीवन कहां झोंकते। फिर भी उनका दायित्व तो बनता था कि गांधी जयंती की सरकारी छुट्टी के औचित्य को वे सिद्ध करते। सरकार ने इस दिन पूरे देश के कर्मचारियों को दफ्तरों से आजादी दिलाकर अपना योगदान प्रदर्शित कर दिया था, उन्हें भी तो कुछ ऐसा करना था कि बापू के जन्मदिन पर मिले इस अवकाश पर कुछ ऐसा करते कि सरकार के इस महान योगदान पर मुहर लगती।काफी सोच-विचार के बाद भी वे यह समझ नहीं पाए कि आखिर यह छुट्टी बापू के नाम कैसे समर्पित हो। फिर उन्होंने हिसाब लगाया कि इस बार शुक्रवार को गांधी जयंती आई है, यानी शनि-रवि मिलाकर तीन दिन की छुट्टी हो जानी है। क्यों न तीन दिन सपरिवार पर्यटन किया जाए। परिवार से पूछा तो पत्नी-बच्चे पहले ही छुट्टियों का हिसाब लगाए बैठे थे। उन्होंने तुरंत हामी भर दी। पूरा परिवार बापू के देश के लिए दिए योगदान को भुलाकर तीन दिनों की छुट्टी मनाने घर से निकल पड़ा।

शब्द सामर्थ्य -179

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 178 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

जर्जर सड़क बनी देवदहरा ग्राम की मजबूरी

स्कूल-इलाज के लिए जोखिम भरा सफर-आखिर कब मिलेगा निजात

-विकाश शुक्ला





कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा की ग्राम पंचायत गोरखपुर कला के आश्रित ग्राम देवदहरा में सड़क की बदहाल स्थिति ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी बनी हुई है। करीब 170 की आबादी वाले इस गांव में लगभग 30 परिवार निवास करते हैं।

ग्रामीणों के अनुसार गांव से स्कूल, उपचार केंद्र और अन्य जरूरी सेवाओं तक पहुंचने के लिए करीब डेढ़ किलोमीटर का यही प्रमुख मार्ग है, लेकिन इसकी स्थिति वर्तमान में काफी खराब है। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क जर्जर होने के कारण रोजाना आवागमन प्रभावित होता है। बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है, वहीं बीमार व्यक्ति को उपचार केंद्र तक ले जाने में भी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। बुजुर्गों और महिलाओं के लिए भी खराब रास्ता परेशानी का कारण बना हुआ है। बारिश के दौरान मार्ग की स्थिति और बिगड़ने से समस्या बढ़ जाती है।

एक ही रास्ते पर निर्भर 30 परिवार

देवदहरा के ग्रामीणों का कहना है कि गांव से बाहर आने-जाने के लिए यही प्रमुख मार्ग है। वैकल्पिक सुगम रास्ता उपलब्ध नहीं होने के कारण लगभग 30 परिवारों की रोजमर्रा की आवाजाही इसी सड़क पर निर्भर है। सड़क की खराब स्थिति के कारण ग्रामीणों को जरूरी कामों के लिए भी कठिनाई उठानी पड़ती है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क का मामला केवल आवागमन तक सीमित नहीं है। गांव के बच्चों की शिक्षा और ग्रामीणों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी इसी मार्ग की स्थिति से प्रभावित होती है। ऐसे में सड़क की वास्तविक स्थिति का स्थल निरीक्षण कर आवश्यक सुधार किया जाना जरूरी है।

योजनाएं हैं, फिर भी सड़क की स्थिति सवालों में

ग्रामीण सड़क संपर्क के लिए केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं संचालित हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित ग्रामीण अधोसंरचना से जुड़ी योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को बेहतर बनाना है। ऐसे में देवदहरा के मार्ग की स्थिति का तकनीकी परीक्षण कर यह निर्धारित किया जाना आवश्यक है कि सड़क किस विभाग अथवा योजना के अंतर्गत आती है और इसके सुधार के लिए कौन-सी कार्रवाई संभव है।

संविधान के अनुच्छेद 21 में जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संरक्षण का प्रावधान है, जबकि अनुच्छेद 21-क के तहत 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल और उपचार केंद्र जैसी मूलभूत सेवाओं तक पहुंच के लिए सुगम सड़क संपर्क आवश्यक है।

स्थल निरीक्षण की मांग

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा और संबंधित विभाग से डेढ़ किलोमीटर मार्ग का स्थल निरीक्षण और तकनीकी परीक्षण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि मार्ग की स्थिति के आधार पर मरम्मत, सुधार अथवा स्थायी सड़क निर्माण के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए।

ग्रामीणों की मांग स्पष्ट है—गांव को जोड़ने वाले इस मार्ग को चलने योग्य और सुरक्षित बनाया जाए, ताकि बच्चे स्कूल और मरीज समय पर उपचार केंद्र तक पहुंच सकें। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस समस्या को कब तक संज्ञान में लेकर धरातल पर कार्रवाई करता है।

देवदहरा की जर्जर सड़क फिलहाल ग्रामीणों की रोजमर्रा की सबसे बड़ी जरूरतों में शामिल है। ग्रामीणों को अब निरीक्षण और ठोस कार्रवाई का इंतजार है।

अपराधों से प्रयाश्चित, निराशा से संकल्प तक, जेल में न्यायाधीशों ने बताये जीवन बदलने के मंत्र

कोरबा (दैनंदिनी ब्यूरो)। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा द्वारा जिला जेल कोरबा में न्यायाधीशों की उपस्थिति में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती गरिमा शर्मा, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार नंदे एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश एफ. टी. सी सुश्री सीमा प्रताप चन्द्रा की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ । प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती गरिमा शर्मा, ने अपने उद्बोधन में जेल में निरूद्ध बंदियों को संबोधित करते हुए बताया कि जेल में रहने के दौरान या जेल से बाहर जाने के पश्चात आपके मन को धैर्य विवेक संग सही ढंग से नियंत्रण में रखना आवश्यक है । महात्मा गांधी के जीवन से यह सीखने योग्य है कि गलतियां करना मनुष्य का स्वाभाव है परंतु उससे सीख लेना बहुत ही आवश्यक है क्योकि आपका परिवार बहुत ही आशा के साथ आपका इंतजार करता है तथा आप अपने सकारात्मक विचारों एवं संकल्प के साथ जीवन की नई शुरूवात करते हैं। आज का यह दिवस एक संकल्प की ओर इंगित करता है।

संकल्प यह है कि जो गलती हो गई है उसे सुधार कर सही दिशा में सकारात्मक कार्य की ओर अग्रसर होना है। तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार नंदे ने अपने प्रेरक उदबोधन में निरूद्ध बंदियों को आचरण व व्यवहार में सुधार करने हुए प्रेरित करते हुए कहा कि जिससे वे समाज में पुनः सशक्त व आत्मनिर्भर बन सके तथा आगे के जीवन को अच्छा बनाने के संबंध सोच कर रखिये। मान लिजिए यहां पर हम अपनी गलती से आये है और प्रायश्चित करने के तुरंत बाद जब हम बाहर जायेंगें तो समाज हमको उसी रूप में स्वीकार कर लेगा । जैसे हम पहले थे । यहां रहते हुए ये मत सोचिए कि आज हम जिस अपराध में आए है आगे उससे बड़ा अपराध करके आएगें। अपराध का यही त्याग कीजिए। गलती का प्रायश्चित किजिए और आगे बढ़िये ।

बेटी की आगे की पढ़ाई के लिए पूर्णिमा को मिली सहायता

कोरबा। बेटी की पढ़ाई जारी रखने की इच्छा हर माता-पिता की होती है। पं. रविशंकर नगर, कोरबा निवासी पूर्णिमा वर्मा और उनके पति अशोक कुमार वर्मा भी अपनी बेटी को आगे पढ़ाना चाहते हैं। अशोक कुमार रेजा-कुली का काम करते हैं। ऐसे में बेटी की शिक्षा के लिए मिली आर्थिक सहायता उनके परिवार के लिए सहारा बनी है। पूर्णिमा वर्मा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिक हैं। उनका पंजीयन 08 अगस्त 2025 को हुआ था। श्रम विभाग से उन्हें मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना की जानकारी मिली। योजना के तहत उनकी पहली बेटी के लिए 20 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई, जिसका उपयोग उन्होंने बेटी की आगे की पढ़ाई में किया। पूर्णिमा कहती हैं कि इस सहायता से उन्हें बेटी की शिक्षा का खर्च उठाने में मदद मिली। उन्होंने सहयोग के लिए श्रम विभाग कोरबा और छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से बोधराम पटेल को खेती में मिला सहारा

कोरबा। ग्राम मुढूनारा के वनखेता निवासी किसान बोधराम पटेल के लिए खेती की तैयारी के समय बीज और खाद का इंतजाम करना कठिन होता था। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली सहायता ने उन्हें इस काम में सहारा दिया है। बोधराम पटेल ने बताया कि योजना के तहत उन्हें सालाना छह हजार रुपये मिलते हैं। इस राशि का उपयोग वे खेती के लिए आवश्यक बीज और खाद खरीदने में करते हैं। सहायता मिलने से समय पर कृषि कार्य शुरू करने में सुविधा हुई है। उन्होंने कहा कि योजना से खेती के खर्च में मदद मिली है और परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है।

बिजली बिल की चिंता से राहत, सौर ऊर्जा से जुड़ा अंकित मारू का घर

कोरबा। पाली के बाजार पारा निवासी अंकित मारू के लिए घर का बिजली बिल एक नियमित आर्थिक चिंता थी। स्वरोजगार से जुड़े अंकित के परिवार को घरेलू खर्च के साथ बिजली बिल का भुगतान भी करना पड़ता था। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने अपने घर में सौर ऊर्जा प्रणाली लगवाने की पहल की। अंकित बताते हैं कि बिजली विभाग से योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्हें इसका लाभ प्राप्त हुआ। अब उनके घर की बिजली जरूरतों का एक हिस्सा सौर ऊर्जा से पूरा हो रहा है। इससे बिजली बिल का आर्थिक भार कम करने में मदद मिली है और परिवार की बचत की उम्मीद बढ़ी है। अंकित का कहना है कि योजना ने उन्हें बिजली खर्च घटाने के साथ ऊर्जा के स्वच्छ स्रोत से जुड़ने का अवसर दिया है। उनके अनुसार, सौर ऊर्जा अपनाना परिवार की आर्थिक आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उपयोगी कदम है।

युवक से मारपीट

महासमुंद। कोमाखान थाना क्षेत्र के कसेकेरा नवाडीह में ठेले के पास आने की बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि ठेला संचालक ने युवक के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मारपीट की। पुलिस के अनुसार कसेकेरा नवाडीह निवासी पन्नालाल उर्फ पिंटू पटेल एक अक्टूबर को दोपहर करीब 2 बजे गांव में गिलेश यादव के ठेले के पास अपने दोस्त कमलेश, गोलू और अमन से बातचीत करने गया था।

जेवरी स्कूल के विद्यार्थियों ने अमोरा जल उपचार संयंत्र का किया शैक्षणिक भ्रमण

जल उपचार की वैज्ञानिक प्रक्रिया को करीब से समझा

बेमेतरा (दैनंदिनी ब्यूरो)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बेमेतरा द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जेवरी के विद्यार्थियों के लिए अमोरा स्थित एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना एवं जल उपचार संयंत्र का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति, जल उपचार की वैज्ञानिक प्रक्रिया, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा जल स्रोतों की सतत उपलब्धता एवं संरक्षण के संबंध में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा उन्हें एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना की कार्यप्रणाली और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल पहुंचाने में विभाग की भूमिका की जानकारी दी।

विद्यार्थियों को जल उपचार संयंत्र में जल शुद्धिकरण की विभिन्न प्रक्रियाओं का विस्तार पूर्वक अवलोकन कराया गया। इस दौरान कच्चे जल के संग्रहण से लेकर स्कंदन फ्लोक्युलेशन , अवसादन , निस्यंदन एवं विसंक्रमण जैसी प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने समझा कि वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से जल का उपचार कर उसे पेयजल के लिए सुरक्षित एवं उपयुक्त बनाया जाता है। साथ ही जल उपचार संयंत्र की विभिन्न इकाइयों की कार्यप्रणाली एवं पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।



शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण की व्यावहारिक जानकारी दी गई। उन्हें जल का नमूना लेने तथा विभिन्न गुणवत्ता मानकों की जांच करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन कराया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने जाना कि सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के लिए नियमित जल गुणवत्ता परीक्षण क्यों आवश्यक है तथा दूषित जल से होने वाली बीमारियों की रोकथाम में जल परीक्षण की क्या भूमिका है। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि किसी भी नल जल प्रदाय योजना की दीर्घकालीन सफलता केवल जल उपचार एवं वितरण व्यवस्था पर निर्भर नहीं करती, बल्कि जल स्रोत की पर्याप्तता, विश्वसनीयता एवं सतत उपलब्धता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को भूजल पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन, जलागम क्षेत्र प्रबंधन, तालाबों एवं प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण तथा भूजल के संतुलित दोहन के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही जल संरक्षण में जनभागीदारी की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को जल के महत्व से अवगत कराते हुए जल के अपव्यय को रोकने, जल स्रोतों को स्वच्छ रखने और दैनिक जीवन में जल संरक्षण के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों से अपने परिवार एवं ग्राम समुदाय में सुरक्षित पेयजल, जल गुणवत्ता परीक्षण, वर्षा जल संचयन एवं जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया।

व्यावहारिक ज्ञान से समृद्ध हुआ विद्यार्थियों का अनुभव

शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी अनुभव रहा। विद्यार्थियों को कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक जीवन में लागू होने वाली वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं से जोड़ने का अवसर मिला।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की यह पहल विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पर्यावरणीय जिम्मेदारी एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रही। भ्रमण के समापन पर विद्यार्थियों को सुरक्षित पेयजल, जल स्रोतों के संरक्षण एवं जल संवर्धन का संदेश अपने परिवार और समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया।

कच्चे मकान की समस्या से मिली मुक्ति, खिल उठा गजाधर राम का चेहरा

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 'सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार' की परिकल्पना धरातल पर जरूरतमंदों के सपनों को साकार कर रही है। शासन की मंशानुरूप आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और योजनाओं के लाभ को सीधे जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे क्लस्टर स्तरीय शिविर ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली ला रहे हैं। इसी कड़ी में बालोद विकासखंड के ग्राम पंचायत लिमोरा में आयोजित सेवा सेतु शिविर में ग्राम लिमोरा निवासी गजाधर राम साहू को उनके पक्के आवास का 'पूर्णता प्रमाण-पत्र' प्रदान किया गया।



ग्राम लिमोरा निवासी गजाधर राम साहू ने भावुक होकर अपने अतीत के दिनों को याद करते हुए बताया कि पहले उनका परिवार एक कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर था। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने और सीलन के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि घर में स्थिति ऐसी थी कि बारिश के पानी से बचने के लिए बर्तन और बाल्टियां तक कम पड़ जाती थीं। ऐसे कठिन हालातों में पक्का मकान बनाना उनके आर्थिक सामर्थ्य से बाहर की बात थी।

गजाधर राम ने बताया कि शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके परिवार के लिए जीवनदायिनी संबल बनकर आई। योजना के तहत मिली किश्तों की सहायता से उन्होंने अपने सपनों का सुंदर और मजबूत पक्का घर तैयार किया। ग्राम लिमोरा के सेवा सेतु शिविर में जब उन्हें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा विधिवत 'आवास पूर्णता प्रमाण-पत्र' सौंपा गया, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अब वे अपने परिवार के साथ नए पक्के मकान में सुख-शांति, सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन-यापन कर रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सियान मितान सप्ताह का शुभारंभ

मोहला। कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सहभागिता एवं कल्याण के उद्देश्य से सियान मितान सप्ताह-2026 का शुभारंभ किया गया।

यह सात दिवसीय विशेष अभियान 01 से 07 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न सेवा एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनमें योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, सेवा कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद गतिविधियां, साइबर अपराध एवं कानूनी जागरूकता कार्यक्रम तथा सम्मान समारोह शामिल हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन के लिए आवश्यक सहयोग और जागरूकता प्रदान की जाएगी। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से आयोजित यह पहल वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान की भावना को मजबूत करने के साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित कर रही है। सात दिवसीय सियान मितान सप्ताह वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, अधिकारों और कल्याण से जुड़े विषयों पर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

खाद्य विभाग का विशेष शिविर, राशन संबंधी समस्याओं का हुआ त्वरित निराकरण

बेमेतरा (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के गरीब कल्याण एवं जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आज बेमेतरा के वार्ड क्रमांक 8 में खाद्य विभाग द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शामिल होकर नागरिकों की समस्याएं सुनी गई और उनका समाधान किया गया।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजनों को राशन कार्ड से जुड़ी समस्याओं - नया राशन कार्ड बनवाना, नाम जोड़ना, नाम हटाना, आधार लिंकिंग, राशन वितरण में अनियमितता जैसी शिकायतों का मौके पर ही त्वरित समाधान उपलब्ध कराना था।



इस दौरान बड़ी संख्या में वार्डवासियों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। खाद्य विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए कई आवेदनों का तत्काल निराकरण किया और शेष आवेदनों को समय-सीमा में पूरा करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर कहा गया कि हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक पात्र हितग्राही को राशन का लाभ सुगमता से और बिना किसी परेशानी के मिले। किसी भी गरीब परिवार को खाद्य सुरक्षा से जुड़ी समस्या का सामना न करना पड़े, यही हमारी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री जी ने सेवा के 25 वर्षों में हमेशा गरीब कल्याण को सर्वोपरि रखा है। इसी भावना के साथ सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन-प्रशासन सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है। वार्ड के नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वार्ड स्तर पर इस प्रकार के शिविर लगने से उन्हें कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ते और काम आसानी से हो जाता है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया नशामुक्त भारत का संदेश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

नशामुक्त भारत अभियान के तहत आज सिंदूर पार्क परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। यह आयोजन सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय तथा चक्रधर बालिका गृह, रायगढ़ के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे की लत से व्यक्ति, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को जीवंत प्रस्तुति के जरिए सामने रखा।



नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने युवाओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया। प्रस्तुति के दौरान विद्यार्थियों ने संवाद एवं अभिनय के माध्यम से नशे के कारण होने वाली सामाजिक और पारिवारिक परेशानियों को रेखांकित किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने प्रस्तुति को ध्यानपूर्वक देखा और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित हुए। कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों ने सहभागिता निभाई। उपस्थित नागरिकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

केएल राहुल 129 रनों की तूफानी पारी के बाद भी निराश कहा- 340 चेज हो जाते हैं, अब 400 रन बनाने होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले में भारत के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने 129 रनों की धमाकेदार शतकीय पारी खेली। हालांकि, उनके इस शानदार शतक के बावजूद भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। राहुल ने मैच के बाद अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि शतक बनाने और मैदान पर लंबा समय बिताने की उन्हें बेहद खुशी है, क्योंकि इससे आगामी सीरीज से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर गहरा मलाल भी जताया कि टीम यह मैच जीतकर सीरीज में क्लीन स्वीप करने से चूक गई।



तीसरे वनडे मैच के बाद जियो स्टार से बातचीत के दौरान केएल राहुल ने बताया कि वेस्टइंडीज के खिलाफ 129 रन बनाने की उन्हें खुशी तो है, लेकिन मैच हारने और सीरीज में क्लीन स्वीप न कर पाने का मलाल भी है। उन्होंने कहा कि उनके लिए क्रीज पर लंबा वक्त बिताना बहुत जरूरी था, क्योंकि जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बाद से उन्हें वनडे में बड़ी पारी खेलने का मौका नहीं मिला था। राहुल का कहना है कि अगले साल अक्टूबर में होने वाले वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए यह बल्लेबाजी बेहद अहम थी, ताकि वे प्रैक्टिस में सीखी गई नई चीजों को मैच में परख सकें।

2027 वर्ल्ड कप की तैयारियों को लेकर केएल राहुल ने बताया कि टीम बाइलेटरल सीरीज का इस्तेमाल नए प्लेयर्स को आजमाने के लिए कर रही है। अब वनडे मेमन सिर्फ 330-340 रन बनाना काफी नहीं है, इसलिए बल्लेबाजों का पूरा ध्यान सेट होने के बाद आक्रामक खेलकर 370 से 400 रन तक पहुंचने का है। उन्होंने कहा कि मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजों का काम क्रीज पर आते ही तेजी से रन बनाना और स्ट्राइक रोटेट करना है। बुमराह और अक्षर जैसे मुख्य खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में नए खिलाड़ियों को परखने का अच्छा मौका मिला है, ताकि वर्ल्ड कप के लिए एक मजबूत टीम तैयार की जा सके।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए तीसरे वनडे मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 351 रन बनाए थे। इस दौरान केएल राहुल ने नाबाद 129 रनों की बेहतरीन पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 10 चौके और 6 छक्के लगाए।

ईरानी कप में पुलवामा के गेंदबाज ने फेंके 22 नो बॉल, झटके 5 विकेट, लेकिन टीम को मिली हार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरानी कप 2026 के मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया ने जम्मू-कश्मीर को 167 रनों के बड़े अंतर से हराकर खिताब पर अपना कब्जा जमा लिया है। इस ऐतिहासिक जीत में रेस्ट ऑफ इंडिया के बल्लेबाजों और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ विपक्षी टीम की गलतियों का भी बड़ा योगदान रहा। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा के तेज गेंदबाज उमर नजीर मीर की अनुशासनहीन गेंदबाजी उनकी टीम पर बेहद भारी पड़ी, जिसका पूरा फायदा उठाते हुए रेस्ट ऑफ इंडिया ने मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली और अंत में ट्रॉफी अपने नाम की।



नो बॉल पर मिला था उमर नजीर को विकेट

मैच के दौरान उमर नजीर अपनी लाइन और लेंथ से पूरी तरह भटकते हुए नजर आए। उन्होंने दूसरी पारी में अकेले ही 15 नो-बॉल फेंकी और पहली पारी में उन्होंने 7 नो बॉल फेंके। जबकि पूरे मुकाबले में उन्होंने 22 नो बॉल फेंक दिए। इस गेंदबाजी का सबसे बड़ा खामियाजा जम्मू-कश्मीर को तब भुगतना पड़ा। दरअसल रेस्ट ऑफ इंडिया के बल्लेबाज रविचंद्रन स्मरण को आउट करने के बावजूद नो-बॉल के कारण विकेट नहीं मिल सका। रेस्ट ऑफ इंडिया की दूसरी पारी के 90वें ओवर में उमर नजीर ने स्मरण को LBW आउट कर दिया था और अंपायर ने भी उंगली उठा दी थी, लेकिन पैर क्रीज से आगे होने के कारण सायरन बज गया। अंपायर ने इसे नो-बॉल करार दिया और स्मरण को एक बड़ा जीवनदान मिल गया।

दोनों पारियों को मिलाकर नजीर ने झटके 5 विकेट

इस जीवनदान का स्मरण ने पूरा फायदा उठाया और 135 रनों की तूफानी पारी खेल डाली। उनकी इस बेहतरीन शतकीय पारी के दम पर रेस्ट ऑफ इंडिया ने दूसरी पारी में 319 रन बनाए और जम्मू-कश्मीर के सामने जीत के लिए एक बड़ा टारगेट रख दिया। नजीर की गेंदबाजी की बात करें तो पहली पारी में वह 2 विकेट लेने में कामयाब रहे। वहीं दूसरी पारी में उन्हें 3 विकेट मिले। कुल मिलाकर वह 5 विकेट लेने में कामयाब रहे, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

रेस्ट ऑफ इंडिया के गेंदबाजों ने मुकाबले की चौथी पारी में शानदार वापसी कराई। रेस्ट ऑफ इंडिया के बॉलर्स ने जम्मू-कश्मीर की दूसरी पारी को सिर्फ 111 रन पर समेट दिया। मुकेश कुमार और आकाश दीप की घातक गेंदबाजी के आगे जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाज टिक नहीं सके और पूरी टीम ढह गई। नतीजतन, रेस्ट ऑफ इंडिया ने शानदार जीत दर्ज करते हुए इरानी कप का खिताब अपने नाम कर लिया। दूसरी पारी में मुकेश ने 6 विकेट लिए। वहीं आकाश दीप को 3 सफलता मिली।

श्रीलंका ने पाकिस्तान ट्राई सीरीज के लिए किया स्क्वॉड का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी वनडे ट्राई सीरीज के लिए अपने पूर्व कप्तान चरित असलंका को टीम से बाहर कर दिया है। इस वनडे ट्राई सीरीज में पाकिस्तान और श्रीलंका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी शामिल है। 88 वनडे मैचों में 40.55 की औसत से रन बनाने वाले असलंका का प्रदर्शन इंग्लैंड दौरे पर काफी खराब रहा था। वह तीन मैचों में सिर्फ 1, 11 और 7 रन बना पाए। इस खराब प्रदर्शन की वजह से उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है। हाल ही में श्रीलंका ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए स्क्वॉड का ऐलान किया था।

श्रीलंका की टीम में बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो और ऑलराउंडर सहन अराच्चिगे की वापसी हुई है। इन दोनों खिलाड़ियों को चरित असलंका और वनिंदु हसरंगा की जगह टीम में शामिल किया गया है। हसरंगा को इंग्लैंड दौरे के दौरान हैमस्ट्रिंग इंजरी हो गई थी, इस वजह से वह इस दौरे से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, बाकी पूरी टीम में वही खिलाड़ी मौजूद हैं जो हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आए थे। उस वनडे सीरीज में श्रीलंका को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

असलंका को त्रिकोणीय सीरीज से पहले पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की टी20 सीरीज से भी बाहर रखा गया है। दिलचस्प बात यह है कि असलंका इंग्लैंड दौरे पर टीम के उप-कप्तान थे। उस दौरान नियमित कप्तान कुसल मेंडिस के पैर में चोटलगने के कारण, असलंका ने टी20 मैचों में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली थी। लेकिन अब वह इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर फर्नांडो की टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपने देश के मेजर क्लब्स लिमिटेड ओवर टूर्नामेंट में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 7 पारियों में 63.85 की औसत से कुल 447 रन बनाए थे।

पाकिस्तान, श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच ये ट्राई सीरीज 18 अक्टूबर से शुरू होगा। सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। रावलपिंडी में सभी टीमों के बीच पहले दौर के मैच खेले जाएंगे, जिसके बाद दूसरे दौर के मैचों के लिए टीमें लाहौर जाएंगी।

कप्तान अय्यर ने खोला वैभव सूर्यवंशी का बड़ा राज

बोले- समय आने पर पूरे भारतीय क्रिकेट पर छा जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम के खेलने के तरीके पर बात की है। उन्होंने कहा कि अभी टीम का पूरा ध्यान सीरीज जीतने पर है। युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए श्रेयस ने एक मजेदार बात बताई। उन्होंने कहा कि वैभव मैदान के बाहर बहुत ही शांत और शर्मीले हैं, लेकिन बल्लेबाजी करते समय वह गेंदबाजों पर भारी पड़ते हैं और तूफानी पारी खेलते हैं। एशियन गेम्स खत्म होने के बाद, अब अय्यर की कप्तानी में भारतीय टी-20 टीम अपने ही घर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज खेलेगी।



वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले दिए एक इंटरव्यू में श्रेयस अय्यर ने 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के टैलेंट और उनकी सोच की जमकर तारीफ की है। श्रेयस अय्यर का कहना है कि वे वैभव से क्रिकेट और मैचों के बारे में कम ही बात करते हैं। उनका मानना है कि हर कोई वैभव से दिन-रात क्रिकेट की ही बातें करता रहता है, इसलिए वे मैदान से बाहर की चीजों पर चर्चा करते हैं। अय्यर जानते हैं कि वैभव एक बेहतरीन और टैलेंटेड खिलाड़ी हैं। इसी वजह से वे वैभव से उनके परिवार, रहन-सहन और रोजमर्रा की पसंद-नापसंद के बारे में पूछते हैं। इन सब बातों से वैभव काफी खुश होते हैं और कप्तान के साथ बातचीत करने में बहुत रिलैक्स महसूस करते हैं। श्रेयस अय्यर ने वैभव की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत ही शांत स्वभाव के हैं, लेकिन मैदान में उतरते ही बेहद आक्रामक होकर तूफानी खेल खेलते हैं। उन्हें देखकर लगता ही नहीं कि इतना शांत और सीधा लड़का मैदान पर इतना आक्रामक कैसे हो सकता है। अय्यर ने आगे कहा कि बातचीत करने में वैभव बहुत ही प्यारे और मिलनसार इंसान हैं। ड्रेसिंग रूम में उनका होना सभी को अच्छा लगता है। 15 साल के वैभव के भविष्य के बारे में बात करते हुए भारतीय कप्तान ने एक बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि उनका समय जरूर आएगा। फिलहाल हम वर्ल्ड कप जीतने वाले ओपनर्स के साथ खेल रहे हैं और वे ही इसके असली हकदार हैं। वैभव अभी 15 खिलाड़ियों की मुख्य टीम में शामिल हैं, इसलिए जब भी उन्हें मौका मिलेगा, वे भारतीय क्रिकेट पर राज करेंगे। वैभव एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा थे।

व्यापार

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : साबरमती नदी पर 480 मीटर लंबा और 36 मीटर ऊंचा पुल तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) ने शनिवार को कहा कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत साबरमती नदी पर 480 मीटर लंबा और 36 मीटर ऊंचा पुल बनकर तैयार हो गया है। NHSRCL ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि करीब 118 फुट ऊंचा ये पुल 12 मंजिला इमारत के बराबर है और मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के प्रमुख ढांचों में से एक है।



प्रेस रिलीज में कहा गया है कि ये पुल पश्चिम रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली मुख्य रेल लाइन के पास स्थित है, जो जमीन के स्तर से करीब 14.8 मीटर की ऊंचाई पर है। ये पुल साबरमती और अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित है। ये साबरमती स्टेशन से करीब एक किलोमीटर और अहमदाबाद स्टेशन से 4 किलोमीटर दूर है। रिलीज के अनुसार, मौजूदा इंफ्रा से जरूरी वर्टिकल दूरी बनाए रखने के लिए साबरमती नदी पुल के पिलरों को ज्यादा ऊंचाई के साथ डिजाइन किया गया है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने बताया कि पुल को 8 गोलाकार पिलर का सपोर्ट दिया गया है। इनमें से 4 पिलर नदी की तलहटी में, 2 पिलर नदी के दोनों किनारों पर और 2 पिलर नदी के किनारों से बाहर स्थित हैं। पिलर को रणनीतिक तरीके से इस तरह लगाया गया है कि नदी में जल प्रवाह में कम से कम रुकावट हो।

NHSRCL ने कहा कि पुल का निर्माण 'बैलेंस्ड कैंटिलीवर मेथड' से किया गया है। ये नदियों और गहरे जलमार्गों पर लंबी दूरी वाले पुलों के निर्माण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली स्पेशल टेक्नोलॉजी है। इस टेक्नोलॉजी से पुल के ऊपरी ढांचे के नीचे पारंपरिक मचान लगाए बिना उसका निर्माण किया जा सकता है।

प्रेस रिलीज में कहा गया है कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (MAHSR) का रूट कई मौजूदा बुनियादी ढांचा सुविधाओं से होकर गुजरता है, जिनमें फ्लाईओवर, पुल, रेलवे लाइन और मेट्रो कॉरिडोर शामिल हैं। रिलीज के अनुसार, इस कॉरिडोर में नदी पर कुल 25 पुल हैं, जिनमें 21 गुजरात और 4 महाराष्ट्र में हैं। गुजरात में प्रस्तावित 21 नदी पुलों में से अब तक 18 का निर्माण पूरा हो चुका है।

मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल 1B का रीडेवलपमेंट शुरू करेगा अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स

मुंबई (एजेंसी)। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (AAHL) मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (MIAL) टर्मिनल 1B के उत्तरी हिस्से का रीडेवलपमेंट शुरू करेगा। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ही इस एयरपोर्ट को ऑपरेट करती है। 60 साल पुरानी बिल्डिंग को लेकर सुरक्षा चिंताओं के कारण इस टर्मिनल का चरणबद्ध तरीके से रीडेवलपमेंट किया जाएगा। कंपनी ने बताया कि मुंबई एयरपोर्ट (BOM) से हर साल आने-जाने वाले लगभग 5.5 करोड़ यात्रियों (mppa) में से लगभग 5 mppa (करीब 9%) यात्रियों पर ही इसका अस्थायी असर पड़ेगा। कामकाज जारी रखने और यात्रियों को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए AAHL ने एयरलाइंस को अपनी मर्जी से अपना कामकाज अस्थायी रूप से नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NMI) पर ले जाने का विकल्प दिया है। AAHL इस दौरान एयरलाइंस की मदद करेगा और सेवाओं को आसानी से और बिना किसी रुकावट के दूसरी जगह ले जाने के लिए हर जरूरी सहायता देगा। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के CEO अरुण बंसल ने कहा, "मुंबई एयरपोर्ट के 91% यात्री ट्रैफिक पर कोई असर नहीं पड़ेगा, भले ही हम उस पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर का रीडेवलपमेंट कर रहे हों, जिसे तुरंत मरम्मत की जरूरत थी। यात्रियों को कम से कम परेशानी हो और कामकाज में कम से कम रुकावट आए, इसलिए पहले चरण में सिर्फ टर्मिनल 1B के उत्तरी हिस्से को तोड़ा जा रहा है, जो मुंबई एयरपोर्ट के T1 की क्षमता का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है।

भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर में एंट्री लेने को बेताब जापानी कंपनी Canon, टेक्नोलॉजी लाने के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान की प्रमुख इमेजिंग और ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी कंपनी कैनन भारत में तेजी से डेवलप हो रहे सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में बड़ी भूमिका निभाने की तैयारी कर रही है। जापानी कंपनी ने भारत के प्रमुख सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स से जुड़ी पार्टियों के साथ बातचीत की है और चिप मैन्यूफैक्चरर्स को टेक्नोलॉजी से जुड़ी मदद देने के लिए भारत में अपनी लिथोग्राफी टेक्नोलॉजी और सर्विस सेंटर लाने की योजना बनाई है।

कैनन इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ तोशियाकी नोमुरा ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग का विस्तार कंपनी के लिए एक बड़ा मौका है। कैनन चिप मैन्यूफैक्चरिंग में इस्तेमाल होने वाली लिथोग्राफी मशीनों की ग्लोबल सप्लायर है। नोमुरा ने कहा, "भारत में सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग इस समय प्रमुख चर्चा का विषय है। हमारे पास इन चिप को बनाने के लिए लिथोग्राफी मशीनें हैं और हम अपनी टेक्नोलॉजी के जरिये भारत में चिप मैन्यूफैक्चरर्स को सहयोग देना चाहते हैं।" तोशियाकी नोमुरा ने बताया कि कैनन ने भारत में डेवलप किए जा रहे प्रमुख सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स से जुड़े मैन्यूफैक्चरर्स के साथ बातचीत की है। हालांकि, कंपनी ने अभी किसी विशेष प्रोजेक्ट या ग्राहक के साथ डील की घोषणा नहीं की है।

कैनन इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ तोशियाकी नोमुरा के मुताबिक, जैसे-जैसे भारत में सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स आगे बढ़ेंगे, वैसे-वैसे कैनन के लिए देश में चिप मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़े ग्राहकों को समर्पित टेक्नोलॉजी से जुड़ी मदद और सर्विस फ्रेमवर्क स्थापित करने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार डोमेस्टिक सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजनाओं (PLI Scheme) के तहत चिप मैन्यूफैक्चरिंग, असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे चुकी है। ऐसे में जापानी कंपनी कैनन भारत के उभरते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में अपनी टेक्नोलॉजी और सर्विस के जरिए जगह बनाने की तैयारी कर रही है।

अक्टूबर से महंगा हो सकता है लोन, बढ़ती महंगाई के बीच रेपो रेट में 0.25 की बढ़ोतरी कर सकता है RBI

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्थशास्त्रियों और बैंक अधिकारियों का मानना है मिडिल-ईस्ट में एक बार फिर तनाव बढ़ने से उत्पन्न हुए महंगाई के दबाव के बीच RBI अक्टूबर में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है। पीटीआई द्वारा आयोजित 16 अर्थशास्त्रियों और सीनियर बैंक अधिकारियों के एक सर्वे के अनुसार अगर RBI की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी रेपो रेट में बढ़ोतरी करती है, तो ये ब्याज दर नीति में एक बड़े बदलाव का संकेत होगा।

बताते चलें कि रेपो रेट में आखिरी बार दिसंबर 2025 में कटौती की गई थी, जिसके बाद से ही ये 5.25 प्रतिशत पर स्थिर है। जबकि, रेपो दर में आखिरी बार फरवरी, 2023 में बढ़ोतरी की गई थी, जब आरबीआई ने रेपो रेट को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत कर दिया था। इसके बाद उसने 2023-24 के दौरान रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया और फिर 2025 में कटौती का चक्र शुरू किया। इस समय आरबीआई का रेपो रेट 5.25 प्रतिशत पर है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर कनिका पसरीचा ने कहा, "विश्व के अलग-अलग केंद्रीय बैंकों द्वारा दरों में बढ़ोतरी के साथ तालमेल बैठाने, बढ़ती महंगाई के जोखिम और मजबूत वृद्धि की रफ्तार ब्याज दरों को बढ़ाने के लिए नीतिगत गुंजाइश देती है।"



क्रिसिल की प्रमुख अर्थशास्त्री दीप्ति देशपांडे ने कहा कि पिछली पॉलिसी के बाद से मुख्य रूप से पश्चिम एशिया संघर्ष के फिर से भड़कने, ऊर्जा और जिंस की कीमतों में तेजी के कारण महंगाई का दबाव और ज्यादा बढ़ गया है। अगर ये दबाव जारी रहता है, तो आगे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद है।

लेकिन, लार्सन एंड टुब्रो (L&T) के ग्रुप चीफ इकोनॉमिस्ट सच्चिदानंद शुक्ला का मानना है कि आरबीआई एक बार फिर रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का विकल्प चुनेगा।

उन्होंने तर्क दिया कि आरबीआई दरें बढ़ाने से पहले इंतजार कर सकता है, क्योंकि अर्थव्यवस्था में मांग-आधारित महंगाई का फिलहाल कोई ठोस प्रमाण नहीं है।

इस साल 2 बार रेपो रेट बढ़ाएगा आरबीआई?

हालांकि, एक्सपर्ट्स का व्यापक रूप से मानना है कि वित्त वर्ष 2026-27 में रेपो रेट में कम से कम 2 बार बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि कई एक्सपर्ट्स को पूरे वित्त वर्ष के दौरान 2 से 3 बार बढ़ोतरी की उम्मीद है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि मुख्य मुद्रास्फीति बढ़ने के कारण आरबीआई को अपने मौद्रिक नीति रुख को धीरे-धीरे सामान्य करने की जरूरत हो सकती है।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, खाद्य मुद्रास्फीति के जोखिमों और कीमतों के दबाव के बीच एक्सपर्ट्स को आरबीआई द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने सीपीआई (खुदरा) मुद्रास्फीति अनुमान में बढ़ोतरी करने की उम्मीद है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, "हाल ही में कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने से पेट्रोल और डीजल के खुदरा बिक्री मूल्य (RSP) में बढ़ोतरी हो सकती है और महंगाई का दबाव और ज्यादा बढ़ सकता है। इससे सीपीआई मुद्रास्फीति के अनुमानों में ऊपर की ओर संशोधन जरूरी हो जाएगा।"

यूपी में महंगी हुई सीएनजी

लखनऊ। गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाली CNG की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी गई है। ग्रीन गैस लिमिटेड ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के अलग-अलग शहरों में सीएनजी की कीमतों में 2 रुपये से लेकर 3.25 रुपये तक की बढ़ोतरी कर दी।

बताते चलें कि ग्रीन गैस लिमिटेड, देश की दो प्रमुख सरकारी कंपनियों- इंडियन ऑयल और गेल की जॉइंट वेंचर है। ग्रीन गैस लिमिटेड उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ, आगरा, उन्नाव, अयोध्या और सुल्तानपुर में सीएनजी सप्लाई करती है।

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीन गैस लिमिटेड ने इनपुट गैस की ज्यादा लागत, स्पॉट एलएनजी की बढ़ती कीमतों और करेंसी एक्सचेंज रेट में उतार-चढ़ाव का हवाला देते हुए सीएनजी की खुदरा कीमतों में ये ताजा बढ़ोतरी की है। ग्रीन गैस द्वारा सीएनजी के दाम बढ़ाए जाने के बाद यूपी के अलग-अलग शहरों में 3 और 4 अक्टूबर को नई कीमतें लागू कर दी गई हैं।

"नेक्स्ट- जेनरेशन जीएसटी और भारत के विकास का अगला चरण"



- श्रीमती निर्मला सीतारमण

यह सुदृढ़ता हालिया राजस्व आंकड़ों में स्पष्ट दिखाई देती है। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 12.46 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 11.6% अधिक है। जून से सितंबर तक के प्रत्येक महीने में वार्षिक आधार पर दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की गई; इन चार महीनों का कुल संग्रह मिलकर लगभग 15% की गति से बढ़ा। कर वापसी (रिफंड) के बाद शुद्ध संग्रह में भी इस छमाही के दौरान 10.4% की वृद्धि हुई। इस प्रकार, करदाताओं को दी गई राहत और विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों में वृद्धि साथ-साथ हुई है। इस विस्तार का दायरा उसके पैमाने जितना ही महत्वपूर्ण है। सभी 11 क्षेत्रक समूहों और सभी प्रमुख राज्यों में दर्ज कर-योग्य आपूर्ति में वृद्धि देखी गई। भारत जैसी विविध अर्थव्यवस्था में यह व्यापक प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक हिस्सों में होने वाली यह वृद्धि अधिक से अधिक व्यवसायों को विस्तार लेते बाज़ारों में भाग लेने का अवसर देती है, और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न मांग, निवेश तथा रोज़गार से अधिकाधिक समुदायों को लाभान्वित करती है।

'विकसित भारत' बनने के भारत के संकल्प के लिए एक ऐसी अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है जिसमें हर स्तर और आकार के उद्यम फल-फूल सकें, चाहे उनकी शुरुआत कहीं से भी हुई हो। पिछले बारह वर्षों में हमारी सरकार ने इन अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण के लिए निरंतर कार्य किया है। वर्ष 2017 में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू होने से अप्रत्यक्ष कराधान के लिए एक साझा राष्ट्रीय ढांचा स्थापित हुआ। 'नेक्स्ट-जेनरेशन का जीएसटी' (Next-Gen GST) नौ वर्षों के क्रियान्वयन तथा करदाताओं और राज्यों के अनुभवों के आधार पर इसी प्रयास को आगे बढ़ाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी की परिकल्पना दो परस्पर जुड़े उद्देश्यों के साथ की गई थीः कर दरों को कम व तर्कसंगत बनाना और अनुपालन को अधिक सरल बनाना। दरों में किए गए संशोधन 22 सितंबर 2025 से प्रभावी हुए। प्रक्रियात्मक सुधारों का अगला चरण शीघ्र ही जीएसटी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सम्मिलित रूप से, इन प्रयासों का उद्देश्य परिवारों को राहत देना, व्यवसायों को अधिक निश्चितता प्रदान करना और करदाताओं के लिए एक ऐसी प्रणाली सुनिश्चित करना है जिसमें वे बिना किसी अनावश्यक कठिनाई के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

राज्य इस पूरी यात्रा में बराबर के साझेदार रहे हैं। वे परिषद में अपनी प्राथमिकताओं और अनुभवों को लेकर आए, निर्णयों को आकार देने में सहयोग किया और उनके क्रियान्वयन का दायित्व संभाला। मैं इस प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त करती हूँ। जीएसटी की प्रगति प्रत्येक सरकार के उत्तरदायित्वों का सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इसी तत्परता पर टिकी है।

इसके परिणाम विश्वास को सुदृढ़ करते हैं। अक्टूबर 2025 से जुलाई 2026 के बीच, दर्ज की गई कर-योग्य आपूर्ति के मूल्य में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 25.8% की वृद्धि हुई। कर दरों की हल्की संरचना के साथ-साथ दर्ज आर्थिक गतिविधियों में भी व्यापक विस्तार देखा गया है। यह उस सुधार के लिए एक अत्यंत उत्साहवर्धक आधार है जिसका उद्देश्य उद्यमों और सार्वजनिक वित्त दोनों को संबल प्रदान करना है।

यह सुदृढ़ता हालिया राजस्व आंकड़ों में स्पष्ट दिखाई देती है। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 12.46 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 11.6% अधिक है। जून से सितंबर तक के प्रत्येक महीने में वार्षिक आधार पर दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की गई; इन चार महीनों का कुल संग्रह मिलकर लगभग 15% की गति से बढ़ा। कर वापसी (रिफंड) के बाद शुद्ध संग्रह में भी इस छमाही के दौरान 10.4% की वृद्धि हुई। इस प्रकार, करदाताओं को दी गई राहत और विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों में वृद्धि साथ-साथ हुई है।

इस विस्तार का दायरा उसके पैमाने जितना ही महत्वपूर्ण है। सभी 11 क्षेत्रक समूहों और सभी प्रमुख राज्यों में दर्ज कर-योग्य आपूर्ति में वृद्धि देखी गई। भारत जैसी विविध अर्थव्यवस्था में यह व्यापक प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक हिस्सों में होने वाली यह वृद्धि अधिक से अधिक व्यवसायों को विस्तार लेते बाज़ारों में भाग लेने का अवसर देती है, और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न मांग, निवेश तथा रोज़गार से अधिकाधिक समुदायों को लाभान्वित करती है।

सुधार के बाद की अवधि की तुलना में उपभोक्ताओं को की गई प्रत्यक्ष बिक्री (बी2सी) में भी 26.7% की बढ़ोतरी हुई। जब कर राहत का प्रभाव कीमतों में दिखाई देता है, तो परिवारों के पास अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने या बचत करने के लिए अधिक गुंजाइश होती है। उपभोक्ता राहत और उद्यम विकास आपस में गहराई से जुड़े हैंः परिवारों की क्रय शक्ति व्यवसायों द्वारा दी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की मांग को बनाए रखती है। इसका लाभ परिवार से लेकर खुदरा विक्रेता, आपूर्तिकर्ता और उत्पादक तक सभी तक पहुंचता है।

लघु और मध्यम उद्यमों के लिए एक राष्ट्रीय बाज़ार तभी सार्थक होता है जब वह उनके स्थानीय परिवेश से परे ग्राहकों तक पहुँचने का व्यावहारिक मार्ग प्रशस्त करे। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों के व्यवसायों को स्थानीय स्तर पर निवेश और रोज़गार जारी रखते हुए ऐसे संबंध बनाने में सक्षम होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर, इन शहरों में विस्तार करने वाले उद्यम स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं और वितरकों के लिए नए अवसर सृजित कर सकते हैं। जीएसटी का साझा ढांचा इन कड़ियों को सुदृढ़ करता है; और सरल प्रशासनिक व्यवस्था को इन्हें बनाए रखना और भी सहज बनाना होगा।

इस व्यवस्था में सहभागिता अत्यंत व्यापक रही है। अगस्त के अंत तक केंद्र और राज्य क्षेत्राधिकारों के अंतर्गत कुल जीएसटी पंजीकरण लगभग 1.71 करोड़ तक पहुंच गए, जो एक वर्ष पहले की तुलना में लगभग 15% अधिक हैं। अप्रैल-जुलाई 2026 की कर अवधियों के लिए, निर्धारित तिथि तक दाखिल किए गए जीएसटीआर-3बी रिटर्न पिछले वर्ष की समान अवधियों की तुलना में 12.6% अधिक थे। ये सुधार प्रशासन पर एक समान दायित्व भी डालते हैंः नियमित अनुपालन को विश्वसनीय सेवा, स्पष्ट मार्गदर्शन और समस्याओं के समयबद्ध समाधान द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए।

इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) की कार्यप्रणाली इस अनुभव का एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुधार-उपरांत आंकड़े दर्शाते हैं कि इनपुट टैक्स क्रेडिट के माध्यम से चुकाई गई कर देयता का अनुपात बढ़ा है, जबकि कर-योग्य आपूर्ति के सापेक्ष संचित क्रेडिट में कमी आई है। यह उन व्यवसायों के लिए उत्साहवर्धक है जो पात्र क्रेडिट के प्रभावी उपयोग पर निर्भर करते हैं। किसी छोटे उद्यम के लिए उसकी कार्यशील पूंजी ही यह तय करती है कि वह कितनी सुगमता से कच्चा माल खरीद सकता है, कोई ऑर्डर पूरा कर सकता है और अगला काम हाथ में ले सकता है।

कर वापसी (रिफंड) भी उतनी ही प्रासंगिक है। अप्रैल-सितंबर के दौरान लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये की धनराशि रिफंड के रूप में लौटाई गई। व्यवसायों के प्राप्य बकाये को वापस लौटाना एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली का अनिवार्य अंग है। इस प्रक्रिया में अधिक निश्चितता और पूर्वानुमेयता उद्यमों को अधिक आत्मविश्वास के साथ खरीद और उत्पादन की योजना बनाने में सहायता करेगी। किसी करदाता को देय रिफंड प्राप्त होने का अनुभव प्रशासनिक दक्षता का एक प्रमुख पैमाना होता है।

राज्यों की राजस्व स्थिति भी अधिक सुदृढ़ हुई है। इस वर्ष अप्रैल-सितंबर के दौरान एकीकृत माल और सेवा कर (आईजीएसटी) निपटान में उनके हिस्से सहित राज्यों की कुल एसजीएसटी प्राप्तियों में लगभग 16% की वृद्धि हुई। ये संसाधन बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं में निवेश को गति प्रदान करते हैं, जिससे परिवारों और उद्यमों को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बेहतर परिवेश मिलता है। इस प्रकार, ये लाभ एक-दूसरे को सशक्त बनाते हैंः परिवारों को मिलने वाली राहत मांग को बढ़ावा देती है, उद्यम आर्थिक गतिविधियों को सुदृढ़ करते हैं, और सार्वजनिक राजस्व विकास को निरंतर बनाए रखने में सहायक होता है।

यह अनुभव भविष्य में किए जाने वाले कार्यों को भी रेखांकित करता है। एक विकासशील प्रणाली को इस बात के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए कि छोटे प्रतिभागियों पर इसका कितना आर्थिक व समय संबंधी भार पड़ता है। उनका समय और संसाधन सीमित होते हैं। रिटर्न दाखिल करने, क्रेडिट या रिफंड की व्यवस्था में प्रत्येक सुधार से ऐसे संसाधनों की अधिक से अधिक बचत होनी चाहिए, ताकि उनका उपयोग व्यवसाय के संचालन और विस्तार में किया जा सके।

7 अक्टूबर को जीएसटी परिषद के समक्ष रखे जाने वाले प्रस्ताव राज्यों के साथ निरंतर विचार-विमर्श और समन्वय के माध्यम से तैयार किए गए हैं। ये प्रस्ताव अनुपालन में लगने वाले समय और लागत को कम करने के उद्देश्य से पंजीकरण, रिटर्न, रिफंड, विवादों के निपटारे और इनपुट टैक्स क्रेडिट के सुगम प्रवाह से जुड़े हैं। करदाताओं का अनुभव ही इसके क्रियान्वयन का मुख्य मार्गदर्शक बना रहना चाहिए।

जीएसटी की बढ़ती परिपक्वता हमें सुधारों के अगले चरण के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करती है। स्पष्टता, निश्चितता और करदाता के प्रति सम्मान की यही प्रतिबद्धता प्रत्यक्ष करों से जुड़े हमारे कार्य को भी दिशा देती है। एक भरोसेमंद कर प्रणाली उद्यमों को अपने तात्कालिक दायित्वों से आगे बढ़कर योजना बनाने तथा ऐसे अवसरों में निवेश करने में सक्षम बनाती है जिनके फलने-फूलने में समय लगता है। वे चाहे कहीं भी कार्य कर रहे हों, उन्हें यह भरोसा दिलाना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप एक 'विकसित भारत' की आर्थिक शक्ति के निर्माण में सहायक सिद्ध होता है।

(पीआईबी)

(लेखिका केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री हैं)

'मेरे सपनों का भारत' विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता संपन्न

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन तथा 'सेवा संकल्प अभियान' के नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी के निर्देशानुसार आज जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। विद्यालय एवं विकासखंड स्तर पर अव्वल रहे सभी विकासखंडों के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय स्पर्धा में पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लेकर अपनी रचनात्मकता व अभिव्यक्ति कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।



आज आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी कला और रंगों के माध्यम से विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की अद्भुत कल्पना को कैनवास पर जीवंत रूप में उकेरा। वहीं भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर अपने ओजस्वी, तार्किक एवं विचारोत्तेजक उद्बोधन से उपस्थित निर्णायकों व दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। निर्णायक मंडल द्वारा विद्यार्थियों की मौलिक सोच, आत्मविश्वास और प्रस्तुतीकरण शैली की मुक्तकंठ से सराहना की गई।

जिला स्तर पर आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों का चयन आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। ये चयनित मेधावी विद्यार्थी राज्य स्तर पर बालोद जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

कांगेर घाटी के सुरम्य अंचल में विकास की दस्तक

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ विकास की मुख्यधारा से जुड़ने की नई मिसाल पेश कर रहा है। कभी दशकों तक लाल आतंक के खौफ और माओवादी प्रभाव के साए में कटे रहे इस वनांचल में बदलाव की बयार अब पूरी तरह स्थापित हो चुकी है। उस दौर में जहां न पक्की सड़कें थीं और न ही आवागमन का कोई साधन, वहां 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना' के तहत दौड़ती बसें ग्रामीणों के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक बन चुकी हैं। नानगुर, चिंगपाल और कांगेर घाटी की हरी-भरी वादियों के बीच बसे कोलेंग को आपस में जोड़ने वाली यह नियमित बस सेवा अब अपने सफल संचालन का एक वर्ष पूरा कर चुकी है, जिससे पूरे क्षेत्र के जनजीवन में एक बड़ा और सकारात्मक परिवर्तन आया है।



विगत एक वर्ष से निर्बाध चल रही इस बस सेवा के नियमित यात्री सदाराम बघेल, गहुराम, तुलाराम नाग, तुलसीराम नाग, सुमन नाग और शांति नाग बताते हैं कि इस सुविधा ने उनके जीवन की पूरी तस्वीर बदल दी है। ग्रामीण याद करते हैं कि अतीत में सुरक्षा चिंताओं और अधोसंरचना के अभाव के कारण आवश्यक कार्यों, इलाज या साप्ताहिक हाट-बाजार के लिए भी कई किलोमीटर का जोखिम भरा सफर घने जंगलों के बीच से पैदल या असुरक्षित साधनों से तय करना पड़ता था। अब पिछले एक साल से तय समय पर बस की नियमित उपलब्धता से यात्रा सुरक्षित, सस्ती और भरोसेमंद बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों के समय, श्रम और धन की भारी बचत हो रही है। इस क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाली के साथ पक्की सड़कों के निर्माण और एक वर्ष से जारी सार्वजनिक बस सेवा के तालमेल ने दरभा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को नई मजबूती दी है। स्थानीय किसान और वनोपज संग्राहक अपनी उपज को बिना किसी बिचौलिए या देरी के सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचाकर उचित मूल्य पा रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हुआ है। इसके साथ ही गांव के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा संस्थानों और गंभीर मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों तक समय पर पहुंचाने में इस बस सेवा ने पिछले बारह महीनों में एक जीवनरेखा की भूमिका निभाई है।

दशकों के अलगाव और खौफ के दौर को पीछे छोड़ते हुए कोलेंग निवासी तुलाराम नाग और आसपास के अन्य ग्रामीण शासन की इस संवेदनशील पहल की सराहना कर रहे हैं।

डबरी से ठिबुल राम ने तैयार किया आजीविका का नया आधार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

खेत में बनी एक डबरी ने पहाड़ी कोरवा किसान ठिबुल राम के लिए जल संरक्षण के साथ आजीविका के नए अवसर तैयार किए हैं। सरगुजा जिले के ग्राम लोसगी के जामझोर पारा निवासी ठिबुल राम ने ग्रामीण रोजगार योजना के तहत अपनी उपलब्ध जमीन पर आजीविका डबरी का निर्माण कराया है। डबरी में 17 किलो मछली बीज डालकर उन्होंने मछली पालन शुरू किया है। इसके पानी का उपयोग खेती और साग-सब्जियों की सिंचाई में करने के साथ मेड़ पर अरहर, आम, मुनगा और नींबू के पौधे लगाकर जमीन के हर हिस्से को उपयोगी बनाने की पहल की है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई ठिबुल राम की यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि जल संरक्षण के लिए तैयार छोटी संरचना को खेती, मछली पालन और पौधरोपण से जोड़कर ग्रामीण परिवार के लिए आजीविका का बहुउपयोगी साधन बनाया जा सकता है।



17 किलो मछली बीज से शुरू किया मछली पालन

ठिबुल राम बताते हैं कि उनके पास थोड़ी जमीन उपलब्ध थी। इस जमीन का बेहतर उपयोग करने और सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से उन्होंने ग्रामीण रोजगार योजना के तहत डबरी निर्माण कराया। डबरी तैयार होने के बाद उन्होंने इसमें 17 किलो मछली बीज डाला है।

मछलियों के तैयार होने के बाद उन्हें बाजार में बेचने की योजना है। ठिबुल राम को उम्मीद है कि इससे परिवार को अतिरिक्त आमदनी मिलेगी और उनकी आजीविका को नया सहारा मिलेगा।

डबरी की मेड़ भी बनी उपयोगी, लगाए अरहर और फलदार पौधे

ठिबुल राम ने केवल डबरी में मछली पालन तक अपनी पहल को सीमित नहीं रखा है। उन्होंने डबरी की मेड़ और आसपास की उपलब्ध जमीन पर अरहर के साथ आम, मुनगा और नींबू के पौधे भी लगाए हैं। डबरी में संग्रहित पानी से इन पौधों और साग-सब्जियों की सिंचाई में मदद मिलेगी।

इस तरह एक ही संरचना से मछली पालन, सिंचाई, पौधरोपण और खेती की संभावनाएं विकसित हुई हैं। पहले पानी संग्रहण की सुविधा नहीं होने से जमीन का पूरा उपयोग नहीं हो पाता था। अब वर्षाजल को सहेजकर खेती के काम में लेने का साधन उपलब्ध हुआ है।

जल संरक्षण के साथ आजीविका की खुली नई राह

डबरी बनने से ठिबुल राम के खेत में पानी संग्रहण की सुविधा विकसित हुई है। इसका उपयोग खेती की सिंचाई में किया जा रहा है, वहीं मछली पालन से अतिरिक्त आय की संभावना बनी है। मेड़ पर लगाए गए अरहर और फलदार पौधों से उपलब्ध जमीन का भी बेहतर उपयोग हो रहा है।

ठिबुल राम कहते हैं कि मछलियां बड़ी होने के बाद उन्हें बाजार में बेचेंगे। इससे मिलने वाली आमदनी परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में मददगार होगी। खेत में पानी उपलब्ध होने से साग-सब्जी और अन्य पौधों की सिंचाई में भी सुविधा मिली है।

रोजगारमूलक कार्य से बनी परिसंपत्ति अब दे रही आजीविका का आधार

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ठिबुल राम की यह पहल रोजगारमूलक कार्य से तैयार परिसंपत्ति को आजीविका संवर्धन से जोड़ने का उदाहरण है। डबरी ने एक ओर वर्षाजल को सहेजने और सिंचाई का साधन उपलब्ध कराया है, तो दूसरी ओर मछली पालन और मेड़ पर पौधरोपण के माध्यम से आय के नए अवसर तैयार किए हैं।

डबरी निर्माण से मिली सुविधा पर ठिबुल राम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेत में डबरी बनने से उन्हें आजीविका का नया माध्यम मिला है।

बच्चों का आयुष्मान कार्ड बना इंद्र कुमार के परिवार का सहारा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बीमारी के समय इलाज के खर्च की चिंता जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी परेशानी बन जाती है। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत लोसगी निवासी इंद्र कुमार पंडो का परिवार भी पहले इसी चिंता से जूझता था। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण परिवार में किसी की तबीयत खराब होने पर इलाज के लिए पैसे जुटाना मुश्किल होता था। अब उनके बेटे रामसुंदर पंडो और अन्नू पंडो का आयुष्मान कार्ड बन जाने से परिवार को जरूरत के समय उपचार के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का सहारा मिला है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अपनी 'सेवा की कहानी' साझा करते हुए इंद्र कुमार बताते हैं कि बच्चों के आयुष्मान कार्ड मिलने से उनकी एक बड़ी चिंता कम हुई है। कार्ड के माध्यम से पात्रता अनुसार 5 लाख रुपये तक निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलने से परिवार को भरोसा मिला है कि बीमारी की स्थिति में आर्थिक परेशानी इलाज की राह में बड़ी बाधा नहीं बनेगी।

इंद्र कुमार के बेटे रामसुंदर और अन्नू का आयुष्मान कार्ड बनकर मिल गया है। बच्चों के हाथ में स्वास्थ्य सुरक्षा का यह कार्ड देखकर परिवार खुश है। इंद्र कुमार बताते हैं कि पहले बीमारी की स्थिति में सबसे बड़ी चिंता इलाज के लिए पैसों की व्यवस्था करने की होती थी। सीमित आय के कारण अचानक आने वाला चिकित्सा खर्च परिवार के लिए मुश्किल पैदा करता था। वे कहते हैं, "पहले इलाज कराने के लिए पैसे नहीं होने से बहुत परेशानी होती थी। अब मेरे बच्चों रामसुंदर और अन्नू का आयुष्मान कार्ड बन गया है। इससे 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है। कार्ड मिलने से हम बहुत खुश हैं।"

इंद्र कुमार के परिवार के लिए आयुष्मान कार्ड केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि जरूरत के समय उपचार तक पहुंच आसान बनाने का माध्यम है।



विशेषकर बच्चों की तबीयत खराब होने पर इलाज के खर्च को लेकर परिवार की चिंता कम हुई है। पात्रता के अनुसार उपलब्ध निःशुल्क उपचार की सुविधा उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाएं लेने का भरोसा दे रही है।

स्वास्थ्य सुरक्षा की ऐसी सुविधा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि बीमारी के समय अचानक होने वाला खर्च परिवार के घरेलू बजट को प्रभावित कर सकता है। आयुष्मान कार्ड से उपचार की सुविधा मिलने से इंद्र कुमार जैसे परिवारों को आर्थिक जोखिम कम करने में मदद मिल रही है।

स्वास्थ्य योजना की पहुंच से आसान हो रही इलाज की राह

सेवा संकल्प अभियान के तहत इंद्र कुमार पंडो के परिवार की यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि स्वास्थ्य योजनाओं की पहुंच जरूरतमंद परिवारों तक होने से इलाज की राह में आने वाली आर्थिक कठिनाइयों को कम करने में मदद मिल सकती है।

बच्चों के आयुष्मान कार्ड मिलने पर इंद्र कुमार पंडो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुविधा उनके परिवार के लिए बहुत उपयोगी है और जरूरत के समय इलाज कराने में बड़ा सहारा बनेगी।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के एक वर्ष: दूरस्थ गांवों तक पहुंची सार्वजनिक परिवहन की सुविधा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ने अपने एक वर्ष के सफर में ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। सूरजपुर जिले में योजना के तहत विभिन्न मार्गों पर बसों का संचालन हो रहा है, जिससे गांवों का संपर्क नगरों, बाजारों और प्रमुख सेवा केंद्रों से बेहतर हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित बस सुविधा उपलब्ध नहीं होने पर विद्यार्थियों, मरीजों और आम नागरिकों को आवागमन के लिए निजी साधनों या अन्य वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता था। समय पर साधन न मिलने से स्कूल-कॉलेज पहुंचना, अस्पताल जाना और जरूरी शासकीय काम पूरे करना कई बार कठिन हो जाता था। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से अब ग्रामीणों को इन आवश्यकताओं के लिए सार्वजनिक परिवहन का नियमित विकल्प मिल रहा है।

सूरजपुर जिले में योजना के अंतर्गत आठ बसों का संचालन किया जा रहा है। बसें सूरजपुर से बैकुण्ठपुर, ओड़गी से घुईडीह, प्रेमनगर से महंगई, भैयाथान से डुमरिया (कोरिया), सूरजपुर से कालीपुर, अर्जुनपुर से मोहनपुर, रामानुजनगर से पोड़ी, केवरा से प्रतापपुर तथा नामदगिरी से चाची मार्ग पर चल रही हैं। इन मार्गों से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को स्कूल-कॉलेज, अस्पताल, बाजार, तहसील और ब्लॉक मुख्यालय तक पहुंचने में सुविधा मिल रही है। योजना का लाभ विद्यार्थियों और मरीजों से लेकर किसानों तथा अन्य ग्रामीण परिवारों तक पहुंच रहा है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता से दैनिक आवागमन के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और जरूरी शासकीय सेवाओं तक पहुंच भी आसान हुई है। नवापारा निवासी श्रीमती सुनैना के परिवार के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा जरूरत के समय सहारा बनी। वे बताती हैं कि पहले बच्चों को अस्पताल ले जाने के लिए घर से निकलने से पहले ही साधन की चिंता रहती थी। कभी बाइक मिल जाती थी, तो कभी आवागमन का कोई साधन उपलब्ध नहीं हो पाता था। बस सेवा शुरू होने के बाद वे अपने बच्चों को समय पर अस्पताल ले जा सकीं और उनका उपचार कराया। श्रीमती सुनैना ने इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का एक वर्ष पूरा होना ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने और दूरस्थ क्षेत्रों को विकास के अवसरों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव है। सूरजपुर जिले में योजना के संचालन से गांवों और प्रमुख केंद्रों के बीच संपर्क बढ़ा है। सुलभ आवागमन की यह सुविधा ग्रामीणों की रोजमर्रा की कठिनाइयों को कम करने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका संबंधी अवसरों तक उनकी पहुंच बेहतर बनाने में सहायक हो रही है।



शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं : केदार कश्यप

रायपुर ■ दैनन्दिनी

वन मंत्री श्री केदार कश्यप कोण्डागांव जिले के मर्दापाल में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों को दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और सहकारी समितियों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रयास करने को कहा। श्री कश्यप ने ग्रामीणों को अपने घरों में फलदार पौधे लगाने के लिए प्रेरित करने को भी कहा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ उनकी आय में वृद्धि हो सके। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई और शिविर में विभागीय स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी और शिविर में ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को बी-वन, खसरा एवं स्वामित्व संबंधी दस्तावेज, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, सहायक उपकरण और मछली पकड़ने के जाल प्रदान किए गए। मिनीमाता जतन योजना का लाभ, महिलाओं की गोद भराई और फलदार एवं अन्य प्रजातियों के पौधों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष श्री टोमेंद्र ठाकुर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।



निवेश के नाम पर मुख्यमंत्री, अधिकारी जनता के धन विदेश यात्रा में फूंक रहे : कांग्रेस

रायपुर ■ दैनन्दिनी

विदेश जाने के नाम पर सरकार में बैठे लोग जनता के धन को विदेश यात्राओं में लुटा रहे है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि हकीकत यह है कि इस विदेश यात्राओं काक प्रदेश को कोई फायदा नहीं हुआ है। एमओयू हुआ जमीन आवंटन भी हुआ लेकिन धरातल पर पौने तीन साल में न कोई फैक्ट्री नहीं लगी और न रोजगार मिला। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि सिंगापुर के पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जापान और दक्षिण कोरिया दौरे पर गये थे। मुख्यमंत्री ने कौन-कौन सी कंपनियों से एमओयू हुआ था, सार्वजनिक करे सरकार? छत्तीसगढ़ की जनता की गाढ़ी कमाई से मुख्यमंत्री और उनके अधिकारी जापान, साउथ अफ्रीका के दौरे पर गए थे, वहां से कितना निवेश आया सरकार को इसकी जानाकरी सार्वजनिक करनी चाहिए? इसके पहले भी वित्त मंत्री ओपी चौधरी अमेरिका दौरे पर गए थे, उप मुख्यमंत्री अरुण साव अमेरिका दौरे पर गए थे लेकिन नहीं बता पाए कि उनके दौरे से राज्य को क्या फायदा हुआ है? प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि सरकार लगातार निवेश प्रस्तावों और एमओयू के बड़े-बड़े आंकड़े प्रस्तुत कर रही है। अगस्त 2025 में सरकार की ओर से बताया गया था कि नवंबर 2024 से जुलाई 2025 के बीच 84 कंपनियों से 6.65 लाख करोड़ रू. के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मार्च 2026 में सीएसआईडीसी के अध्यक्ष ने राज्य में 8 लाख करोड़ रू. से अधिक के एमओयू होने की जानकारी दी। लेकिन सवाल यह है कि एमओयू और प्रस्ताव कितने हुए, यह नहीं- उनमें से वास्तविक निवेश कितना हुआ? प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि विदेशों से नए निवेशकों को आकर्षित करना, ठोस विदेश नीति, उद्योग नीति, श्रम कानून, वास्तविक राहत और रियायत देने वाली पॉलिसी के बिना संभव नहीं है। उद्योगों के अनुकूल वातावरण बनाने में भाजपा की सरकारें पूरी तरह नाकाम रही है। भाजपा के लिए उद्योगों के विकास का मतलब ही केवल अडानी का एकाधिकार है। छत्तीसगढ़ में कोल माइनिंग, आयरनओर और बॉक्साइड के बाद अब सीमेंट उद्योगों पर मोदी के मित्र अडानी की बुरी नजर है। कोल इंडिया लिमिटेड और एसईसीएल की खदानों में खनन का काम दबावपूर्वक अडानी को सौप दिया गया है।



बर्फ फैक्ट्री नहीं चली तो बना चोर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर के ज्वेलर्स दुकान की दीवार में छेद कर सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए करीब 14.51 लाख रुपये के आभूषण और घटना में इस्तेमाल वाहन बरामद किए गए हैं। मामले में एक अन्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

दीवार में छेद कर की थी चोरी-यह मामले गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के रामनगर कर्मा चौक के पास स्थित श्री लक्ष्मी विनायक ज्वेलर्स की है। दुकान संचालक सुनील जैन 29 सितंबर की रात दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 10:30 बजे दुकान खोलने पहुंचे तो दाहिनी तरफ की दीवार की प्लाई गिरी हुई मिली। फर्नीचर बिखरा था और दीवार में बड़ा छेद था। डिस्प्ले में रखे सोने-चांदी के आभूषण भी गायब थे।

मामला दर्ज कर पुलिस ने शुरु की जांच-शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गतिविधियों का तकनीकी विश्लेषण करने के साथ मुखबिरों से भी जानकारी जुटाई गई।

तीन लोगों ने मिलकर की चोरी-जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिसके आधार पर विशाल सचदेव और सूरज ढीमर को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने एक अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया।

पैसों की परेशानी ने बनाया चोर-पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी विशाल सचदेव ने महासमुंद में बर्फ की फैक्ट्री खोली थी। फैक्ट्री नहीं चलने के कारण उसे आर्थिक नुकसान हुआ और उस पर लाखों रुपये का कर्ज हो गया। पैसों की परेशानी के चलते उसने अपनी फैक्ट्री में काम करने वाले सूरज ढीमर और एक अन्य साथी के साथ चोरी की योजना बनाई।

इस तरह दिया वारदात को अंजाम-आरोपियों ने पहले ज्वेलर्स दुकानों की रेकी की। 26-27 सितंबर की रात दुकान की दीवार में आधा छेद किया, लेकिन उस रात चोरी नहीं की। इसके बाद 29-30 सितंबर की रात दोबारा पहुंचे और पहले से किए गए छेद को बड़ा कर दुकान के अंदर दाखिल हुए। इसके बाद सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए।

14.51 लाख का माल जब्त-पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 50 हजार रुपये के सोने के आभूषण, करीब 3.5 किलो चांदी के आभूषण जिसकी कीमत 7.91 लाख रुपये है, 10 हजार रुपये के आर्टिफिशियल ज्वेलरी, साथ ही वारदात में इस्तेमाल स्वीफ्ट कार और बिना नंबर की एक्टिवा बरामद की है। बरामद सामान की कुल कीमत करीब 14.51 लाख रुपये बताई गई है।

दो गिरफ्तार, एक की तलाश जारी-पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मामले में शामिल एक अन्य आरोपी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार तलाश कर रही हैं।





विद्यार्थियों को अब शैक्षणिक दस्तावेजों के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

विद्यार्थियों को शैक्षणिक दस्तावेजों के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से अब राहत मिलेगी। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव की पहल पर छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की महत्वपूर्ण सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समयबद्ध किया गया है। इससे विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक दस्तावेज निर्धारित प्रक्रिया और समय-सीमा में उपलब्ध हो सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र, डुप्लीकेट अंकसूची, उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन तथा उत्तरपुस्तिका की फोटोकॉपी जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं को समय-सीमा से जोड़ा गया है। डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र और डुप्लीकेट अंकसूची के लिए 60 दिवस की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसी तरह उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और फोटोकॉपी से संबंधित सेवाएं भी निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 60 दिवस की समय-सीमा में प्रदान की जाएंगी। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने ही शैक्षणिक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए परेशान होना पड़े, यह स्वीकार्य नहीं है। परीक्षा परिणाम के बाद विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक दिन महत्वपूर्ण होता है। उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं सहित विभिन्न शैक्षणिक कार्यों के लिए समय पर दस्तावेज उपलब्ध होना आवश्यक है। इसलिए विद्यार्थियों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक विद्यार्थीकेंद्रित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थी अपना समय पढ़ाई और भविष्य निर्माण में लगाएं, न कि जरूरी दस्तावेजों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने में। लोक सेवा गारंटी के दायरे में इन सेवाओं को शामिल किए जाने से व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को विद्यार्थियों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने और निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यार्थी को दस्तावेज प्राप्त करने अथवा परीक्षा संबंधी प्रक्रिया के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

इस व्यवस्था का विशेष लाभ उन विद्यार्थियों को मिलेगा, जिन्हें उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षा अथवा अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए डुप्लीकेट अंकसूची, माइग्रेशन प्रमाण-पत्र या उत्तरपुस्तिका से संबंधित सेवाओं की आवश्यकता होती है। समय-सीमा तय होने से विद्यार्थियों और अभिभावकों को उनके आवेदनों के निराकरण को लेकर स्पष्टता मिलेगी और अनावश्यक विलंब पर भी अंकुश लगेगा।



कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत के बस्तर दौरे पर भाजपा का तंज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बस्तर में कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत के दौरे को लेकर भाजपा मुखर है. सांसद और भाजपा प्रमुख प्रवक्ता संतोष पांडे ने एक तरह से चुनौती देने के अंदाज में कहते हैं कि भगत जी आएं, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास के साथ सिंहदेव का प्रशिक्षण करें. देखते हैं कितना दमखम है. देखते हैं नए प्रभारी कितना चलाते हैं. वहीं सुखदेव भगत के बस्तर दौरे से कांग्रेस को कुछ मिलने के सवाल पर संतोष पांडे ने कहा कि न सरगुजा में मिलेगा, न बस्तर में मिलेगा. छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय की सरकार है. गुड गवर्नेंस में सबसे टॉप पर हैं. भगत जी छत्तीसगढ़ में घूम जाएं. कहीं कोई मुद्दा नहीं मिलने वाला है. कोई फायदा नहीं होगा. वहीं सुखदेव भगत के दौरे पर कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उनका स्वागत है. बस्तर में कांग्रेस की नब्ज टटोलने आ रहे हैं. कांग्रेस ने कभी बस्तर की चिंता नहीं की है. केवल राजनीति करने की दृष्टि से आते हैं. जब सत्ता में होते हैं, तो उनका रवैया सौतेले भाई की तरह होता हैं. पक्षपात करते हैं. उनकी नीतियों की वजह से बस्तर नक्सलवाद से ग्रसित रहा. अब बस्तर में जाकर अपना नब्ज टटोलेंगे. बस्तर में पार्टी किस तरह से स्वागत करती है, या पार्टी देती है. ये देखना होगा. वहीं बाढ़ ग्रसित क्षेत्रों में मुआवजा आवंटन पर पक्षपात के आरोप पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सभी ग्रसित क्षेत्रों में आरबीसी 6-4 के तहत मुआवजा दिया जाएगा. कांग्रेस भ्रम फैलने की कोशिश ना करे. जब यहाँ मौत होती थी, तो पचास लाख देने की बात आई तो दिए नहीं, और यूपी जाकर करोड़ों रुपए देने की बात करते थे. यहाँ के जनता को लेकर कांग्रेस का कोई उद्देश्य नहीं है. कांग्रेस केवल भ्रम फैलाने का काम कर रही है. वनतारा के एक्सपर्ट्स के छत्तीसगढ़ आने पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि वनतारा में टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग होता है. बहुत कुछ हेल्प ले रहे हैं. अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ वनतारा में हैं. जंगल सफारी में भी वन्य जीवों की वृद्धि हो रहा है. हमारे समूह के माध्यम से जू को अपडेट किया जा रहा है. पीएम मोदी ने उसका उद्घाटन किया था. वहीं धर्मांतरण पर आई रिपोर्ट के साथ जनजातीय जागरण मंच को लेकर केदार कश्यप ने कहा कि जो लोग आज बस्तर में जाकर राजनीति करना चाहते हैं, वो लोग कहाँ गए थेस जब आदिवासी अवैध धर्मांतरण के ख़िलाफ़ बैठक कर रहे थे. तब हमारे आदिवासी नेता को जेल भेजने का काम किया था. कांग्रेस ने हमेशा आदिवासी समाज को लोभ प्रलोभन से धर्मांतरण की कोशिश की. शिक्षा-स्वास्थ्य से वंचित रखा गया.

6 जिलों के 312 वैद्यों का प्रमाणीकरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा 25 से 30 सितंबर तक छत्तीसगढ़ के 6 जिलों कोण्डागांव, नारायणपुर कांकेर, धमतरी, गरियाबंद और महासमुंद के 312 वैद्यों का प्रमाणीकरण किया गया। वन विभाग छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत बोर्ड एवं काउन्सिल आफ इंडिया (QCI) से वैद्यों के प्रमाणीकरण करने के लिये अधिकृत संस्था सेंटर फॉर ट्रेड टेस्टिंग एंड सर्टिफिकेशन ऑफ स्किल्ड वर्कर्स (CTTC) द्वारा वैद्यों का प्रमाणीकरण किया गया । जिसमें 05 प्रकार की उपचार विधाओ सामान्य बीमारी, पीलिया, आर्थराइटिस.

IED विस्फोटों की विरह वेदना से बाहर आएगा बस्तर, पीड़ितों को मिलेंगे कृत्रिम हाथ-पैर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि बस्तर अब आईईडी विस्फोटों की विरह वेदना से बाहर निकलने को तैयार है। वर्षों तक नक्सल हिंसा के दौर में बस्तर के अनेक इलाकों में सड़कों, नदी-तालाबों के किनारे और स्कूलों के आसपास लगाए गए आईईडी की चपेट में सुरक्षाबलों के जवानों के साथ आम नागरिक और पशु भी आए। कई नागरिकों ने इन विस्फोटों में अपने हाथ-पैर गंवाए और आज भी दिव्यांगता के साथ कठिन जीवन जी रहे हैं। ऐसे लोगों के जीवन की मुश्किलें कम करने के उद्देश्य से बस्तर संभाग में दो चरणों में विशाल निःशुल्क दिव्यांग सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। पहला तीन दिवसीय शिविर 5, 6 और 7 अक्टूबर को बस्तर के जिला मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित होगा। इसमें बस्तर, कांकेर, नारायणपुर और कोण्डागांव जिले के दिव्यांगजन भी शामिल होंगे। दूसरा शिविर 15, 16 और 17 अक्टूबर को दंतेवाड़ा में आयोजित किया जाएगा, जिसमें दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले के हितग्राहियों को लाभ मिलेगा। इन शिविरों में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के तकनीकी सहयोग से जरूरत के अनुसार कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर की तैयारियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं। उपलब्ध विभागीय विवरण के अनुसार जगदलपुर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए चार जिलों में कुल 2,953 दिव्यांगजन चिन्हांकित किए गए हैं। इनमें बस्तर के 1,570, कोण्डागांव के 1,080, कांकेर के 236 और नारायणपुर के 67 दिव्यांगजन शामिल हैं। समाज कल्याण विभाग के सहयोग से दिव्यांगों की अन्य सहायक उपकरण जैसे श्रवण यंत्र, वैशाखी, स्मार्ट छड़ी/वॉकिंग स्टिक, छड़ी, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, कैलिपर्स एवं दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी उपकरणों का भी वितरण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि आईईडी किसी को पहचानता नहीं था। उसकी चपेट में कभी जवान आए, कभी आम नागरिक और कभी पशु। जिन नागरिकों ने विस्फोटों में अपने पैर या हाथ गंवाए, उनका जीवन बच तो गया, लेकिन उन्हें वर्षों से कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। अब प्रयास है कि ऐसे प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी जरूरत के अनुरूप कृत्रिम अंग उपलब्ध कराया जाए। शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलवाद की समाप्ति के बाद ना सिर्फ बस्तर को आईईडी के भय से मुक्त कराने बल्कि आईईडी से प्रभावितों के साथ भी खड़ी है। शिविर में आईईडी विस्फोट से दिव्यांग हुए नागरिकों को विशेष रूप से चिन्हांकित कर उनकी आवश्यकता के अनुसार कृत्रिम पैर (जयपुर फुट), कृत्रिम हाथ तथा अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही अन्य कारणों से दिव्यांग हुए लोग भी शिविर का लाभ ले सकेंगे। विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण और नाप लेकर आवश्यकता के अनुसार कृत्रिम अंग तैयार करने तथा पुराने अथवा क्षतिग्रस्त कृत्रिम अंगों की मरम्मत की व्यवस्था भी शिविर में रखे जाने की जानकारी सामने आई है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बस्तर संभाग के दिव्यांगजनों और विशेष रूप से आईईडी विस्फोट पीड़ितों से शिविर में पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हितग्राही अपने जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। ग्राम सभाओं में भी ऐसे हितग्राहियों के नाम ग्राम पंचायत सचिव के माध्यम से पंजीयन कर जनपद और जिला पंचायत तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी कारणवश पूर्व पंजीयन नहीं हो पाया हो तो जरूरतमंद व्यक्ति सीधे शिविर में भी पहुंचें। शिविर में आने वाले हितग्राहियों के भोजन और ठहरने की व्यवस्था की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों शिविरों के माध्यम से प्रयास है कि समूचे बस्तर में आईईडी विस्फोटों से दिव्यांग हुए लोगों तक सहायता पहुंचे और वर्षों से उनके जीवन से जुड़ी इस पीड़ा को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि बस्तर में आईईडी विस्फोट के इस दंश को समाप्त कर देना है।



स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com